



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 13, 1979 (आश्विन 21, 1901)
No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 13, 1979 (ASVINA 21, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंत्रालय
(प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1979

सं० ए०-12024/2/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री अनिल सुंद को दिनांक 10-9-79 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तकनीकी अधिकारी (लेखा) के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रीवर

प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० ओ० दो-1032/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सनाबाई नायक को 30-8-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए 1-276GI/79

अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो-1443/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर राज सिंह को 5-9-1979 के पूर्वाह्न से केवल छः माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो-1444/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) इफतेखारुनिमा बेगम को 3-9-1979 के पूर्वाह्न से केवल छः माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110029, दिनांक 21 सितम्बर 1979

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—कोरबा (म० प्र०)

से स्थानांतरण होने पर श्री पी० पी० सहजपाल ने श्री एस० आर० शर्मा, सहायक कमांडेंट के स्थान पर 20 अगस्त, 1979 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट डी० एम० पी० पन्ना (म० प्र०) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री शर्मा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—पन्ना (म० प्र०) से स्थानांतरण होने पर श्री एस० आर० शर्मा ने 29 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बालको कोरबा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सु० नाथ
महानिरीक्षक
के० श्री० पु० ब०

श्रम मंत्रालय

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 6 अक्टूबर 1979

सं० 23/3/79-सी० पी० आई०—अगस्त, 1979 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1980=100) जुलाई, 1979 के स्तर से सात अंक बढ़ कर 360 (तीन सौ साठ) रहा है। अगस्त 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 438 (चार सौ अठतीस) आता है।

त्रिभुवन सिंह
उप-निदेशक
श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक-कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० 870/एम०—निम्नांकित अधिकारियों को चलार्थ पत्र मुद्रणालय में उप नियंत्रक अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में उनके नाम के सामने अंकित दिनांकों से नियुक्ति की जाती है।

नाम	दिनांक
1. श्री एम० आर० कुट्टी . . .	23-2-1976
2. श्री टी० एन० वल्लबी . . .	23-2-1976
3. श्री बी० एस० बेन्द्रे . . .	17-8-1978
4. श्री जो० एन० मुर्ती . . .	17-8-1978
5. श्री एन० जे० धिवरे . . .	17-8-1978
6. श्री एम० टी० पवार . . .	17-8-1978

सं० 871/एम०—निम्नांकित अधिकारियों को भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में उप नियंत्रक अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में उनके नाम के सामने अंकित दिनांकों से नियुक्ति की जाती है।

1. श्री एम० जे० माकसकर . . .	23-2-1976
2. श्री बी० एम० मंडक . . .	17-8-1978
3. श्री बी० श्रीनिवासन . . .	17-8-1978
4. श्री बी० जी० साने . . .	17-8-1978

डी० सी० मुखर्जी
महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० 1702-सी० ए०-1/197-69—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने श्री वि० वि० ओपे लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) को भारत सरकार गृह मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन संख्या 25013/7/77-स्थापना (ए) दिनांक 26-8-77 के उपबंध के अधीन तारीख 1-8-79 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी है।

एम० एस० प्रोवर
उपनिदेशक (वाणिज्यिक)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 सितम्बर 1979

सं० 86016(16)/78/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित अधिकारी को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रूपये) 1500-60-1800-100-2000 में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

(1) श्री अरुण सेदवाल 1-9-1979 (पूर्वाह्न)

आर० एल० बख्शी
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आर्डेनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 15/79/ए०/ई०-1 (एन० जी०)—डी० जी० ओ० एफ० महोदय, निम्नलिखित अफसरों को प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों पर और तारीखों से वर्तमान रिक्त स्थानों के प्रति स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश न होने तक, बिना वरिष्ठता पर प्रभावित हुए, प्रोन्नत करते हैं:—

श्री नित्यानन्द चक्रवर्ती	स्थानापन्न	दिनांक
स्थानापन्न सहायक स्टाफ	सहायक स्टाफ	1-8-79 से
अफसर (ग्रुप 'बी')	अफसर (ग्रुप 'बी')	आगामी
राजपत्रित) (तदर्थ आधार पर)	राजपत्रित)	आदेश होने तक
श्रीमती लोलादास,	—वही—	—वही—
स्थानापन्न सहायक		
अफसर (ग्रुप 'बी')		
राजपत्रित) (तदर्थ आधार पर)		

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

सं० 16/79/ए०/ई०-1 (एन० जी०)—डी० जी० ओ० एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को तदर्थ आधार पर प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों पर और तारीखों से वर्तमान रिक्त स्थानों के प्रति स्थानापन्न रूप में प्रोन्नत करते हैं:—

(1) श्री हृषिकेश दास,	स्थानापन्न सहायक	दिनांक
स्थायी सहायक	स्टाफ अफसर	1-8-79 से
	(ग्रुप 'बी')	तीन महीने
	राजपत्रित)	तक या जब तक यू०पी० एस० सी० उम्मीदवार नियुक्त नहीं किए जाते हैं, इनमें से जो पहले हो।

(2) श्री निहार रंजन पाल,	—वही—	—वही—
स्थायी सहायक		

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ० (प्रशासन)
कुते महानिदेशक
आर्डेनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1979

सं० 46/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० एन० देवधर, स्थानापन्न सहायक

प्रबन्धक/मौलिक एवं स्थायी फोरमैन, दिनांक 30-6-1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० 45/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री वी० के० दत्ता, स्थानापन्न ए० डी० जी० ओ० एफ० ग्रेड-II मौलिक एवं स्थायी सोनियर डी० ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रबन्धक दिनांक 30 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक
आर्डेनेन्स फैक्टरियां

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 12 (259)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अर्धेति इथोपिया में एक वर्ष की अवधि के लिए विशेषज्ञ के रूप में प्रतिनियुक्ति हो जाने पर, श्री के० आर० मोट्टी ने दिनांक 17 अगस्त, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में उप निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० ए०-19018(398)/79-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, श्री काहन सिंह को दिनांक 8 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, अमरतला में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (418)/79-प्रशासन (राजपत्रित):—राष्ट्रपति जी, श्री सुरेश बहल को दिनांक 31 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में प्रोग्रामर के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 सितम्बर 1979

सं० 12 (241)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के उपनिदेशक (यांत्रिकी) श्री एस० सी० मुखर्जी को दिनांक 10 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 12 (685)/71-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के

सहायक निदेशक, ग्रेड-II (ग्रा० अन्वेषण) श्री एस० पी० मिश्रा को दिनांक 24 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, इसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्रा० अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/81/73-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (आर्थिक अन्वेषण) श्री जी० एस० उप्पल को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, इसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (99)/73-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-II, (आर्थिक अन्वेषण) श्री के० आर० पंडित को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, इसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण/उत्पादन सूचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-100016, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० 5992-बी०/ए०-12025 (11-ए० पी० ओ०)/78-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (प्रकाशन) श्री प्रमोद रंजन चौधुरी को सहायक प्रकाशन अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 14 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1979

सं० ए०-19012 (115)79-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश से डा० जे० सी० अप्पल स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को

दिनांक 3-9-1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान की जाती है।

एस० बालागोपाल
कार्यालय अध्यक्ष

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

निदेशक का कार्यालय

हावड़ा-711109, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० बी० एस० आई०-66/120/79-स्था०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, डा० कृष्ण कुमार खन्ना को वनस्पतिक, मुख्यालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (वर्ग 'ख' राजपत्रित) के पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर सामान्य भत्तों सहित जो कि नियमानुसार प्राप्य हों 31 अगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश न मिलने तक, नियुक्त करते हैं।

बी० एन० सेनगुप्ता,
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० ए० 38013/1/79 भण्डार I—सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, डिग्री, बम्बई के सहायक डिप्टी मैनेजर सर्व श्री ओ० पी० मथायी तथा जे० आर० नाबर ने 31 अगस्त, 1979 अपराह्न को रिटायर हो गये हैं।

दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० ए० 19011/6/78 भण्डार I—सेवा निवर्तन की आयु के हो जाने पर सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार मद्रास के उप सहायक महानिदेशक श्री पी० एस० देसिकन 31 अगस्त, 1979 के अपराह्न को सर्विस से रिटायर हो गये हैं।

पी० के० घई
विशेष कार्य अधिकारी
(भण्डार)

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

सं० 21/79 स्था० (1)—श्री ओम प्रकाश गुप्त की सहायक सहायक (हिन्दी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति 1-9-1979 से आगे 31-10-1979 तक बढ़ा दी गई है।

बद्रीनाथ चड्ढा,
निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19023/60/78-प्र०-III—तदर्थ आधार पर उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर पदोन्नति होने के उपरान्त श्री आर० सी० बनर्जी ने क्लकता में तारीख 31-8-79 के अपराल्ल में विपणन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 22 सितम्बर, 1979

सं० ए०-19023/41/78-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की सन्तुतियों के अनुसार श्री सी० वी० नीलग्रीवम, विपणन अधिकारी (वर्ग III) को तारीख 16-8-79 के अपराल्ल से अगले आदेश जारी होने तक इस निदेशालय में हैदराबाद में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर नियुक्ति होने के उपरान्त श्री नीलग्रीवम ने हैदराबाद में तारीख 16-8-79 के अपराल्ल में विपणन अधिकारी (वर्ग III) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए०-19025/65/78-प्र०-III—सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पदों पर निम्नलिखित अधिकारियों की अल्पकालीन नियुक्ति को 31 अक्टूबर, 1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है:—

सर्वश्री

1. आर० एस० सिंह
2. बी० एन० के० सिन्हा
3. ए० एन० राव
4. आर० वी० एस० यादव
5. एम० पी० सिंह
6. एच० एन० राय
7. डी० एन० राव
8. एस० पी० शिन्दे
9. आर० सी० मुंशी

10. के० के० तिवारी
11. एस० के० मलिक
12. एस० डी० काथलकर
13. आर० के० पांडे
14. एम० के० मोहन राव
15. के० के० मिरोही
16. श्रीमती अनुसूया शिवराजन
17. वी० ई० इडविन
18. एस० पी० सक्सेना
19. एन० जी० शुक्ल
20. आर० सी० सिधल
21. एच० एन० शुक्ल
22. के० जी० बाघ
23. एस० सूर्यनारायण मूर्ति
24. वी० एल० वैराधर
25. एस० आर० शुक्ल
26. एम० सी० बजाज
27. एन० एस० चेलापति राव
28. के० जयनन्दन
29. सी० एम० गिरधर
30. एस० ए० शमसी
31. एस० एस० आर० शर्मा

दिनांक 24 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19024/2/79-प्र०-III—निम्नलिखित अधिकारियों की मुख्य रसायनज्ञ के पद पर अल्पकालीन नियुक्ति को 31 दिसम्बर, 1979 तक या जब तक पद नियमित रूप से भरे जाते हैं, जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

सर्वश्री

1. चन्द्र प्रकाश
2. ए० ए० एम० प्रकाश राव
3. एन० कासी राव

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 24 जुलाई, 1979

सं० व्ही०/32/लेखा/स्था०-II/2891—श्री वसंत बलवंत व्यापारी, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी की बदली क्रय तथा भंडार निदेशालय में हो जाने के परिणाम स्वरूप उन्होंने इस अनुसंधान केन्द्र में पूर्वाह्न तारीख 11 जून, 1979 से सहायक लेखा अधिकारी का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 31 जुलाई, 1979

सं० 5/1/79-स्थापना-II/3014—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सेवा के लिए उनके नाम के सामने की अवधि तक, सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न सेवा के लिए नियुक्त किए गए	अवधि	
			(पूर्वाह्न) से	(अपराह्न) तक
1.	श्री एफ० डी० मूजा, सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	4-3-79	11-7-79
2.	श्रीमती एस० पी० महेरजी, सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	1-2-79	11-7-79

दिनांक 2 अगस्त, 1979

सं० 5/1/79-स्थापना-II/3043—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित कर्मचारियों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सेवा के लिए उनके नाम के सामने की अवधि तक प्रशासनिक अधिकारी-II/सहायक वाक्विक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न सेवा के लिए नियुक्त किए गए	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री डी० पी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक अधिकारी	प्रशासनिक अधिकारी-II	28-5-79	2-7-79
2.	श्री सी० ए० देशमुख, सहायक अधिकारी	सहायक कार्मिक अधिकारी	28-5-79	2-7-79
3.	श्री एस० जी० सपालिगा, सहायक	,,	26-3-79	5-5-79
4.	श्री एन० के० सूर्वे, सहायक	,,	9-5-79	30-6-79
5.	श्री यू० आर० मेनन, सहायक	,,	7-6-79	7-7-79

1	2	3	4	5
6.	श्री जे० ए० लसने, सहायक	सहायक कार्मिक अधिकारी	11-6-79	13-7-79
7.	श्री एम० आर० खातू, व० लि०	,,	30-4-79	8-6-79

दिनांक 20 अगस्त, 1979

सं० 5/1/79-स्था०-II/3221—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सेवा के लिए, तदर्थ आधार पर लेखा अधिकारी II/सहायक लेखा अधिकारी उनके नाम के आगे दी गई अवधि तक नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम और पद	स्थानापन्न सेवा के लिए नियुक्त किए गए	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
सर्वश्री				
1.	के० जे० जार्ज सहायक लेखा अधिकारी	लेखा अधिकारी II	14-5-79	16-6-79
2.	आर० बी० पिल्लै सहायक लेखा कार	सहायक लेखा अधिकारी	14-5-79	16-6-79

कु० एच० बी० विजयकर,
उप स्थापना अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

बरास्ता कोटा, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० रा० प० वि० प०/भर्ती/3(2)/79/स्थ०/444-- राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित अराजपत्रित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गए ग्रेड में व उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से अगले आदेश होने तक के लिए इसी परियोजना में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री किशन चन्द्र तनेजा, फोरमैन	वैज्ञानिक अधि कारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-2-79

1	2	3	4
2.	श्री कलवन्त सिंह, फोरमैन	वैज्ञानिक अधिका री/ इन्जीनियर ग्रेड एस०बी०	1-2-79
3.	श्री महोम्मद गरीफ, फोरमैन	,,	1-2-79
4.	श्री प्रकाश चन्द वैष्णव फोरमैन	,,	1-2-79
5.	श्री सुख सागर शुक्ल, वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79
6.	श्री दुर्गेश चन्द्र शर्मा, वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79
7.	श्री श्रीकान्त लक्ष्मण काशीकर, वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79
8.	श्री रमेश कुमार शर्मा, फोरमैन	,,	1-2-79
9.	श्री हरी प्रकाश गुप्ता, वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79
10.	श्री लेखराज धौला वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79
11.	श्री सुरेश पंधारजनाथ वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79
12.	श्री ओम प्रकाश मेहता ड्राफ्ट्समैन "सी"	,,	1-2-79
13.	श्री किशन घयाल चौबे वैज्ञानिक सहायक सी०	,,	1-2-79

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
हुते मुख्य परियोजना इंजीनियर

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद 500016, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र० 1/13/78 प्रशामन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री अजय कुमार श्रीवास्तव को परमाणु खनिज प्रभाग में 30 अगस्त, 1979 की पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापत्र रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र० 1/6/79 प्रशामन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापत्र सहायक कार्मिक अधिकारी (तदर्थ) श्री मुकुन्द सिंह को 1-9-1979 के पूर्वाह्न से

आगामी आदेश होने तक स्थानापत्र रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19 (3)/76 आर०—
महालेखापाल कार्यालय, राजस्थान से रिपोर्ट करने पर, मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री वसन्त खांडेकर, अनुभाग अधिकारी, महालेखापाल कार्यालय, राजस्थान को तारापुर परमाणु बिजलीघर में रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में दिनांक 27-8-1979 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति आधार पर सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124, दिनांक 27 जुलाई, 1979

सं० एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/स्थापना/1.72
—शार केन्द्र के निदेशक इंजीनियर एम३ बी० श्री सी० थोमस का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 13-2-1979 से स्वीकार करते हैं।

आर० गोपालरत्नम
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन प्रभाग
हुते निदेशक

अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 1 अगस्त, 1979

सं० स्थापना/आई० एस० सी० ई० एस०/22—निदेशक, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में श्री के० डी० आचार्य को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में दिनांक 7 जून, 1979 के पूर्वाह्न से 30 जून, 1980 तक की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० स्थापना/आई० एस० सी० ई० एस०/23—निदेशक, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन अन्तरिक्ष विभाग में श्री वीरेन्द्र कुमार सी० जैन को इंजीनियर

एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में दिनांक 15 जून, 1979 के पूर्वाह्न से 30 जून, 1980 तक की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 अगस्त, 1979

सं० सैक/स्थापना/आई० एस० सी० ई० एस०/18/79—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक इस केन्द्र में अस्थायी इंजीनियर एस० बी० श्री सुधीर दत्तात्रेय एरान्डे का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 27 जुलाई, 1979 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

एस० जी० नाथर
प्रधान,
कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

महानिदेशक : नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79 ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित अधिकारियों को 1 सितम्बर, 1979 से और अन्य आदेश होने तक नियमित आधार पर सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री एच० एस० संधू	अमृतसर
2.	श्री के० सी० झारिया	जबलपुर
3.	श्री एच० डी० घोसाल	बेलगाम
4.	श्री बी० एस० आर० राव	विजयवाड़ा
5.	श्री पी० के० दास	पटना
6.	श्री पी० राघवन	मद्रास
7.	श्री एल० सी० चन्दबानी	जुहू (बम्बई)
8.	श्री पी० के० दे	नागपुर
9.	श्री के० आर० पाण्डुलै	त्रिवेन्द्रम
10.	श्री गोपाल सिंह	अमृतसर
11.	श्री एम० आर० नायडू	नागपुर
12.	श्री एम० के० राय चौधुरी	दम दम
13.	श्री ए० सी० सरकार	दम दम
14.	श्री एम० डी० सिन्हा	दम दम
15.	श्री जे० आर० सोनी	वाराणसी
16.	श्री पी० एन० धर	पालम
17.	श्री एम० आर० दाम शर्मा	दम दम
18.	श्री आर० डी० बाजपे	दम दम
19.	श्री जे० एल० कपूर	पालम
20.	श्री एम० जी० थोराट	नागपुर
21.	श्री प्रेम कुमार	पालम

1	2	3
22.	श्री एम० गोपाल	मद्रास
23.	श्री सी० जी० पागे	सान्ताक्रुज
24.	श्री बाई० एल० सोनी	जयपुर

बी० वी० जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

सं० ए० 32013/1/79-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 26-4-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/7/78-ई० सी० तथा दिनांक 22-6-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/78 ई० सी० के क्रम से राष्ट्रपति निम्नलिखित चार तकनीकी अधिकारियों को, जो इस समय वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप से तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, दिनांक 3 सितम्बर, 1979 से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड से नियमित आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1.	श्री विजय पंवार	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम
2.	श्री के० के० नारायण	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
3.	श्री ए० के० बंसल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली
4.	श्री के० पी० नय्यर	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली

2. इन अधिकारियों को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी की संयुक्त पात्रता सूची के ग्रेड से नियमित नियुक्ति की तारीख के अनुसार स्थान दिया जाएगा बशर्ते कि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड की परस्पर वरिष्ठता सुची बनाई जाती है और साथ यह भी शर्त है कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के आधार पर नागर विमान विभाग में नियुक्त अधिकारियों के मामले में उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी अधिकारी/संचार कारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी संघारित को जाएगी

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त

किया है। नियुक्ति की तारीखें तथा तैनाती स्टेशन प्रत्येक के नाम के सामने दिया गया है :-

क्रम सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन	स्टेशन जिस पर तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री ए०पी० सदानन्द	वै०सं० स्टेशन, मुजफ्फरपुर	वै०सं० स्टेशन, कलकत्ता	27-7-79 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर०एस० शोखे	वै०सं० स्टेशन, चरखीवाहरी	वै०सं० स्टेशन, नई दिल्ली	30-7-79 (पूर्वाह्न)

दिनांक 20 सितम्बर, 1979

सं० ए० 32012/3/78-ई० एस०—श्री आर० श्री-निवासन, प्रशासनिक अधिकारी (तदर्थ), ग्रुप "ख" पद, कार्यालय क्षेत्रीय निवेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास, ने निवृत्तन आयु प्राप्त कर लेने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 जुलाई, 1979 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 32012/3/78-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० ओ० वर्गीस अधीक्षक, को 1 अगस्त, 1979 पूर्वाह्न से क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट में, मद्रास के कार्यालय तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर नियुक्त किया है।

एस० एन० मोतवानी
विशेष कार्य अधिकारी

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० 1/98/79-स्था०—श्री जी० एस० छटवाल को, जिन्हें 2 जुलाई, 1977 से तदर्थ आधार पर नई दिल्ली शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया गया था, 7 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से उसी शाखा में तकनीकी सहायक के उनके मूल पद पर परावर्तित कर दिया गया है।

सं० 1/257/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री जी० सी० डोलिमा को 18-6-1979 से 5-7-1979 तक (दोनों दिनों समेत) की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से उसी शाखा में उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

2—276G1/79

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

सं० 16/113/67-स्थापना-1—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री टी० आर० सोमा-मुन्दरम, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान केन्द्र, कोयम्बतूर को दिनांक 31-3-1979 के अपराह्न से सेवा निवृत्तन की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति देते हैं।

दिनांक 22 सितम्बर, 1979

वं० 16/69/66-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, श्री एस० पी० मिश्रा, पुस्तकाध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 31-8-79 के अपराह्न से सेवा निवृत्तन की आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति देते हैं।

गुरदयाल मोहन

कुलसचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

पटना, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

सं० 11 (7)2-स्था०/79/12194—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना के स्थानापन्न सहायक समाहर्ता श्री एस० आर० भट्टाचार्य अपनी सेवा की आयु पूरी कर दिनांक 31/8/79 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हुए।

डी० के० सरकार

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,

पटना।

नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० 27-ई/एम० (5)/69-ई० सी०-II (जिल्द II) श्री महेन्द्र शर्मा, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) जो अधीक्षक निर्माण सर्वेक्षक कार्यालय (उत्तरी अंचल), के० लो० नि० वि०, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली में निर्माण सर्वेक्षक III/II के नाते काम कर रहे हैं, मूल नियम 56 (के) के प्रावधान के अधीन दिनांक 31-8-1979 (दोपहर बाद) को सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवानिवृत्त हो गए हैं।

सु० सु० प्रकाशराव
प्रशासन उपनिदेशक
कृते निर्माण महानिदेशक

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर, 1979

सं० जी० 65/बी० (हिन्दी)—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर कलकत्ता, संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुति पर श्री सैय्यद महफूज हुसन रिजवी को 21-8-79 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता से हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० सी० शील

उपनिदेशक (रसायन) (1)

कृते निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के

अधीन सूचना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के सामने और मलबार स्टीमशिप कंपनी लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० 2844/लिक्यू०—सिविल अर्जी सं०...में... स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 31-7-78 के आदेश द्वारा मलबार स्टीमशिप कंपनी लिमिटेड के परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

(ह० अपठनीय)

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र।

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रमानो टूरवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :—

दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

सं० 5190/15956—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण से एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रमानो टूरवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वशिल न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० बी० सक्सेना

कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार,
दिल्ली।

कार्यालय आयकर आयुक्त

(संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी लखनऊ एवं इलाहाबाद प्रभार)

आयकर विभाग

इलाहाबाद, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

सं० 55—राम नरेश (एस० सी०) निरीक्षक, आयकर कार्यालय, सुलतानपुर को आयकर अधिकारी, वर्ग "ख" के पद पर आफीसिएट करने के लिए सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नति किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 17-7-79 को अपराह्न में आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, सीतापुर के रूप से कार्यभार संभाला।

शेख अब्दुल्ला

आयकर आयुक्त
इलाहाबाद

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस आर III/जनवरीII/929(20)/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 279 है तथा जो डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विंग कामाण्ड जयमल सिंह (रिटायर्ड) सी० 279 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री विष्णु शंकर सी 294 डिफेंस कालोनी नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दोत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी 279 जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है डिफेंस कालोनी नई दिल्ली में है रजिस्टर्ड दिनांक 8-1-79।

कु० अंजनी ओजा,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण);
 अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-79
 मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज । दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/1 जनवरी, I(54)/78-79/951—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महेन्द्र सिंह, (2) श्री चरन जीत सिंह, (3) श्री मनजीत सिंह, मैसर्स नानक सिंह एण्ड सन्स साझेदार पता 19/11 कालका जी नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री प्रिथी लाल भसीन (2) श्री पोरख राज सुपुत्र श्री नानक चन्द (3) श्री अशोक कुमार, (4) श्री सुरेश कुमार सुपुत्र श्री धरणी दास
सबका पता :—54/2 पंजाबी बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्देशाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि जो 17 बिघा 19 बिघा गांव जोनापुर, नई दिल्ली में है ।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज- , नई दिल्ली ।

तारीख: 11-9-79
मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एस० आर० III/971

1-1979/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नेब सराये नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) आरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. (1) श्री लखमी चन्द पुत्र श्री जुगती, (2) चरण सिंह (3) भरत सिंह, (4) सरदार सिंह पुत्रान, श्री नेकी, निवासी नेब सराय, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. मैसर्स दुगल इंजीनियरिंग कं० 192, गोलफ लिंक, नई दिल्ली (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोटुस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 118 बिघा 17 बिसवा स्थित गांव नेब सराये नई दिल्ली है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

तारीख 12-9-79
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/II/एस० आर० III/1-1979/987/78-79—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव गदर्पुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अशोक दीश पुत्र डा० परशोतम दीश, निवासी डब्ल्यू-137, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमती प्रेम कौर पत्नी श्री जवाहर सिंह केयर आफ वाधा एण्ड कम्पनी 41, गांधी कलाथ मारकीट, देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरूक रता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 बिघे 7 विसवै है जो गांव गदर्पुर नई देहली में स्थित है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली।

तारीख: 12-9-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०I/एस० आर० III/963/
जन० II(9)/78-79—अतः मझे कु० अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या 93 ब्लाक सी है, तथा जो डिफेंस कालोनी
नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 19-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल
से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. एयर मार्शल श्री बी० एस० एस० बेदी (रिटायर्ड) पुत्र
स्वर्गीय श्री बी० एम० आर० बेदी पता : 13 बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री जगमोहन बहल पुत्र स्वर्गीय के० एल० बहल पता:
ए-2, जंगपुरा एक्सटेन्शन नई देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2½ मंजिला मकान नं० सी० 93 डिफेंस कालोनी नई
देहली जिसका क्षेत्रफल 401 स्क्वा० गज है। जिसकी
बीजन्डी निम्न लिखित है।

उत्तर : रोड़

दक्षिण : सर्विस लैन

पूर्व : साईड रोड़

पश्चिम : म० नं० सी०-94

कु० अंजनी ओजा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/993
1-1979/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट एस-160 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II नई
देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30-1-79 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बंभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी वन या ग्रन्थ आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ओम प्रकाश पुल्ल श्री भोलानाथ निवासी आर-47,
ग्रेटर कैलाश-I नई देहली । (अन्तरक)

2. श्रीमती उत्तम कौर पत्नी श्री दलीप सिंह ई-306, ग्रेटर
कैलाश-II नई देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त
अधिनियम के प्राध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्राध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस-160, ग्रेटर कैलाश, नई देहली जिस का क्षेत्रफल
306 वर्ग गज है ।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I विल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को द्वारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर० III/960/जन० II(67)/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी भोजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सी०-567 है तथा जो डिफेंस कालोनी नई देहली में स्थित है (और इससे उपान्वित अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकर से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकर का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पारा गरा प्रतिकर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से तथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—
3-276GI/79

1. श्रीमती कुलेन्द्रा कुमारी देवी पता: पो० आ० दोहगर जिला समलपुर उड़ीसा, हाल निवासी 3, साउथ एक्ज्यू नई देहली-I (अन्तरक)

2. श्री परस नाथ तिवारी डी० 389, डिफेंस कालोनी, नई देहली, (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नम्बर सी० 567 जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है डिफेंस कालोनी दिल्ली में है रजिस्टर्ड दिनांक 19-1-79 है । जिसकी निम्नलिखित बौद्धि है :—

उत्तर : सर्विस लैन

पूर्व : प्लॉट नम्बर 566

दक्षिण : रोड

पश्चिम : प्लॉट नम्बर 568

कु० अंजनी भोजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-9-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू० I/एस आर III/964/जन
II(10)/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
5-न के पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी संख्या ई 368 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई देहली
में स्थित है (और इससे उपान्वद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
19-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्र
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबन्धन में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुमित्रा गुलाटी पत्नी स्वर्गीय श्री एच० सी०
गुलाटी जरीया मुख्तयार श्रीमती सरला गुलाटी पता:
4/24 डब्ल्यू ई० ए० करोल बाग नई देहली (अन्तरक)
2. (1) श्री वेद प्रकाश मैहता पुत्र श्री हरि चन्द मैहता
(2) श्रीमति शारदा मैहता पत्नी श्री वेद प्रकाश के०
102 कालका जी नई देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्तारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर ई० 368 जिसका क्षेत्रफल 249 वर्ग गज जो
ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली में है रजिस्टर्ड दिनांक 19-1-79 है
जिसकी बौद्धि निम्नलिखित है।

उत्तर : प्लॉट नं० ई० 366

उत्तर : रोड

पश्चिम : प्लॉट नम्बर ई 370

दक्षिण : सर्विस लेन

कु० अंजनी ओजा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III/1-79/
920/78-79—अतः मुझे, कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 27-बी है तथा जो मेफेयर गार्डन, नई देहली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सावित्री इन्दानी, पत्नी श्री एस० बी० इन्दानी,
24, शारदा अपार्टमेंट ए-रोड, चर्च गेट, बम्बई-400020।
(अन्तरक)

2. स्व० श्री राजपाल के वालीवारिस 127 श्रीमति संतोष
कुमारी राजपाल 2/34, जंगपुरा एक्स्टेंशन, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20 में परिभाषित है,
वही प्रयोज्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 1-1/2 मंजला मकान नं० 27-बी, मेफेयर गार्डन नई
देहली, जिसका क्षेत्रफल 619.44 वर्गगज है और जिस की बौड़ड़ी
निम्नलिखित है :—

उत्तर : मकान नं० 26-बी

दक्षिण : भारतीय बैंक के क्वार्टर

पूर्व : मेन रोड

पश्चिम : सविस रोड

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-9-79

हस्ताक्षर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/1/एस० आर० III/1-79/960/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी भोजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या एस०-534 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० एस० जामवाल चीफ पायलट इन्स्ट्रक्टर, देहली फ्लाईंग क्लब, नई देहली। (अन्तरक)

2. लीला मलहोत्रा और श्री अंशोल मलहोत्रा एस-534, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2-1/2 मंजला मकान नं० एस-534, ग्रेटर कैलाश-I, नई देहली, जिसका क्षेत्रफल 499 वर्ग गज है।

कु० अंजनी भोजा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 21-9-79
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० I/एस० आर० III/1-79/976/78-79—प्रतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या बुकान नं० 15 है तथा जो सिनेमा कॉप्लेक्स बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II, नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उछले बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों जर्नातः—

1. श्रीमती आज्ञा रानी पत्नी श्री हेतराम गौरी निवासी एफ-13, मयुन्सपल डबल स्टोरी मारकीट लोधी कालोनी, नई देहली। (अन्तरिती)

2. डी० एल० एफ० युनार्डेडिड लि० 21-22, नरिन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई देहली। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 15 (पहली मंजल), सिनेमा कॉप्लेक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 231 वर्गफुट है।

कु० अंजनी ओजा,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 21-9-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर० III

970/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी अरोजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-6 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-1-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित ध्येय से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री ओम प्रकाश सोबती पुत्र डा० अमोलक राम सोबती निवासी 1198, सैक्टर 18 सी, चन्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. (1) श्री ग्यान चन्द डांडिया पुत्र श्री अमर चन्द डांडिया
(2) श्रीमती मंजु कुमारी डांडिया पत्नी श्री ग्यान चन्द डांडिया निवासी 68/6 टालस्टाय मार्ग, नई देहली।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त धर्मात् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजला मकान नं० सी-6, ग्रेटर कैलाश-1 नई देहली जिसका क्षेत्रफल 560 वर्ग गज है और जिसकी बौजरी निम्नलिखित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० सी-8

पश्चिम : प्लॉट नं० सी-4

उत्तर : सविस लेन

दक्षिण : मेन रोड़

कु० अंजनी अरोजा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-9-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी०एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/II/एस० आर० III/1-79/

992/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 106 है तथा जो पहली मंजल, सिनेमा कांप्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-2 नई देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उतसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. डी० एल० एफ० युनाईटेड लि० 21-22, नरिन्द्र एलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई देहली। (अन्तरक)
2. (1) श्री हजार सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह (2) हरबन्स सिंह पुत्र श्री हजार सिंह (3) अमरीक सिंह पुत्र श्री हजार सिंह निवासी डी-4, वेस्ट एन्ड नई देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106 (पहली मंजल), सिनेमा कांप्लेक्स, ग्रेटर कैलाश, नई देहली जिसका क्षेत्रफल 1062 वर्गफुट है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I विल्ली-1

4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०/III/973/
1-1979/78-79—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी संख्या 225 है तथा जो जोड़ बाग नई देहली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कियत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, त्रिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री प्रेम नाथ कपूर, निवासी सी-104, डिफेंस कालोनी
नई देहली (अन्तरक)
2. दी जीव प्रकाश विद्यापीठ, 23, राज निवास मार्ग,
देहली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लोकणः—इसने उक्त अर्थों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक 2-1/2 मंजला मकान नं० 225, जोड़ बाग, नई देहली
में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 662.5 वर्ग गज है ।

कु० अंजनी ओजा,
सशम अधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-9-70

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I दिल्ली-1

4/14, क, आमफजली मार्ग, नई दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर० III/1-79/
919—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नेब सराय तहसील
महरोली नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 1-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—276GI/79

1. मैसर्स रोगर ओवरसीज प्रा० लि०, 109, अन्नाल
भवन, 16, कस्तुरबा गान्धी मार्ग, नई देहली
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुधा जजोदिया पत्नी श्री महेन्द्रा कुमार जजोदिया
पता: बी० 62 पश्चिमी मार्ग, बसन्त विहार नई देहली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 'पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितरुद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषक भूमि की जमीन जिसका माप 7 बिघा 18 बिघा गांव
नेब सराय तहसील महरोली नई देहली में है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 22-9-79

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० III/1-79/
956—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 216 है तथा जो विनोभा पुरी लाजपत नगर, नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सन्देह से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थना:-

1. श्री धारू राम सपुत्र श्री बिहारी लाल, पता: 198 विनोभा पुरी, लाजपत नगर, नई देहली (अन्तरक)
2. (1) श्री जगदीश चन्द सपुत्र श्री सरवारी लाल (2) बन्ता सिंह सपुत्र श्री रत्न सिंह, पता : 16 विनोभा पुरी लाजपत नगर नई, देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पंथ में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नम्बर 216 विनोभा पुरी, लाजपत नगर, नई देहली जिसका माप 400 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29-9-79
मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० III/1-79/
975—अतः मुझे कु० अर्जुनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ-7, है तथा जो ग्रीन मार्ग नई देहली, में स्थित
है (और इससे उपाब्ध अनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन तारीख
27-1-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में आसन्निक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के साक्ष्य में कमी
करने या उम्मेद करने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किमी धरा या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, धियाने में सुविधा
के लिए;

आतः धन, उक्त अधिनियम का प्राय 269-ग के प्रन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ले० कर्नल श्री आई० पी० दत्ता पुत्र श्री पी० दत्ता, पता:
डी० एल० एफ० खेड़ा फेम कार्टर पुरी, जिला गुड़गांव
(हरियाणा) (अन्तरक)
2. श्री रणजीत सिंह पता: एफब7 ग्रीन पार्क नई देहली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजला मकान जिसमें 2-1/2 स्टोरी भवन नम्बर एफ-1,
ग्रीन पार्क, नई देहली जिसका माप 311 वर्ग गज है।

कु० अर्जुनी ओजा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-9-79
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० I/एस० आर० III/1-79/
982—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या एम 239 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1989 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मधु अग्रवाल पत्नी श्री मुदर्शन अग्रवाल पता: एम-16 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन नई देहली (अन्तरक)

2. श्री सत्यापाल कोहली पुत्री स्वर्गीय डा० नायरयण दास कोहली पता: ए 117 डिफेंस कालोनी, नई देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वेष्टाअरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो (2) मंजिला मकान भवन नम्बर एम 239, ग्रेटर कैलाश-II नई देहली जिसका माप 400 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 21-9-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I एस० आर० III/1-79/

953—अतः मुझे कु० अंजनी ओजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नग्न प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या दुकान नं० 11 है तथा जो खस्रा मार्केट नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई देहली में भारतीय है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री चरण जीत लाल सपुत्र श्री देवी दयाल, पता: ई-109, करबाला बी० के० दत्त कालोनी नई देहली (अन्तरक)

2. श्रीमती ससंबती देवी विधवा श्री गंगा प्रसाद, पता: 1192 अर्जन नगर नई देहली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नम्बर 11 खस्रा मार्केट नई दिल्ली जिसका माप 27.7 वर्ग गज है।

कु० अंजनी ओजा,
संलग्न अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22-9-79
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० एल डी एच/190/78-79—अतः मुझे आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पलट जिसका क्षेत्रफल 415.55 वर्ग
गज है तथा जो न्यू लाजपत नगर, पखोवाल रोड़, लुधियाना
में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री मंगत राम, वर्शन कुमार व श्री ओम प्रकाश
पुत्र श्री दुर्गा दास
वासी मनसूरी, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री सतीश सोई पुत्र शाम लाल,
वासी बी-8-635, पिण्डी स्ट्रीट, लुधियाना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पलट जिसका क्षेत्रफल 415.55 वर्ग गज है और जो
न्यू लाजपत नगर, पखोवाल रोड़, लुधियाना में स्थित
है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4017, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 6 सितम्बर, 1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल डी एच। /107/78-79—अतः मुझे आर०
के० मलहोत्रा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० शाप कम गोदाम जिसके प्लॉट को क्षेत्रफल
177.7/9 वर्ग गज है तथा जो न्यू ग्रेन मारकेट, मुल्लापुर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
आयिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री लच्छमन सिंह
मारफत
मैनर्ज मेखों कोल्ड स्टोरज, अड्डा मुल्लापुर दाखा,
जिला लुधियाना। (अन्तरक)
2. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री नौ हरीया मल मारफत
मैनर्ज रघवीर प्रसाद सुभाष चन्द, फरदीलाईजर
डिलर, मुल्लापुर मण्डी,
जिला लुधियाना। (अन्तरिती)
3. श्री नौ हरीया मल मारफत रघवीर प्रसाद सुभाष चन्द,
मुल्लापुर मण्डी। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्वय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में
दिया गया है।

अनुसूची

शाप कम गोदाम नं० 71, ग्रेन मारकेट, मण्डी मुल्ला-
पुर।

(जायदाद जूसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 5627, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6 सितम्बर, 1979
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक, 6 सितम्बर, 1979

सं० एल डी एच/आर/108/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिनकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जो ग्रेन मारकेट, मुल्लापुर में स्थित है (और इससे उपायवाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री लच्छमन सिंह मारफत मैमर्ज सेखों कोल्ड स्टोरज, अड्डा मैल्लापुर दाखा, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती रेणमा देवी पत्नी श्री मना राम पुत्र श्री चूहडीया मल, मारफत मैमर्ज रघवीर प्रसाद मुभाष चन्द, फरटी-लाईजर डिलर, मण्डी मुल्लापुर, जिला लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है जो ग्रेन मारकेट, मुल्लापुर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5628 जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 6 सितम्बर, 1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एल०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, घायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक, 6 सितम्बर, 1979

सं० एल डी एच/आर/115/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 के, जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1098 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किली धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

5-276G1/79

1. श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह,
वासी सूनेत, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री रखा सिंह,
वासी 601, फिरोजपुर रोड़,
लुधियाना। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 के, जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है और सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि जस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5897, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 6 सितम्बर, 1979

मोहर:

प्रकरण 43-टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० के एन एन/55/78-79—अतः मुझे आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 2 मरले
है तथा जो गांव राहौन जिला लुधियाना में स्थित है (और
उपायद्व अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री ज्ञान सिंह, हरबन्स सिंह व सन्तोष सिंह पुत्र
श्री बेला सिंह
वासी राहौन, नजदीक खन्ना। (अन्तरक)

2. श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री अमर सिंह,
पुराना सिनेमा रोड़ खन्ना, तहसील समराला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धांधलेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 2 मरले है और जो
गांव राहौन, तहसील समराला में स्थित है।

(आयेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खन्ना के कार्या-
लय के विलेख संख्या 1654, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 6 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई०डी०एन०एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एल० डी० एच०/193/78-79:—अतः मुझे,
आर० के० मल्होत्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 784 वर्ग
है तथा जो तरफ सेखेवाल, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
को जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु
प्रतिफल अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बचत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा
या किया जाना चाहिए वा; छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सक्न्दरा रानी जैन पत्नी सिरिपाल जैन,
मकान नं० 121, घाटीगुजरां, नजदीक डिविजन
नं० 4, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पसरूर जैन दुग्ड़ बरादरी द्वारा श्री मदन
मोहन सेटल, प्रधान सोसाइटी, कटरा नौहरीयां,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 764 वर्ग गज है और जो तरफ
सेखेवाल, जी० टी० रोड, बाई पास, लुधियाना में स्थित
है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4020, जनवरी, 1979 में दर्ज
है)

आर० के मल्होत्रा

सक्षम अधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एस० डी० एच०/192/78-79:—अतः मुझे आर०
के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिला मकान तरफ सेखावाल, है तथा
जो जी० टी० रोड बाई पास, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
उपपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती संकदरा रानी जैन पत्नी श्री श्रीपाल जैन,
मकान नं० 12 घाटी गुजरां, नजदीक इविजन
नं० 4 लुधियाना।

(अन्तरक)

2. मैसर्स पसरर जैन दुगड़ बरादरी द्वारा श्री मदन
मोहन सीतल, प्रधान सभा, कटारा नौहरीयां, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धताधारी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो तरफ सेखावाल, जी० टी० रोड बाई पास,
लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4019, जनवरी, 1979 में
दर्ज है।)

आर० के० मल्होत्रा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 6 सितम्बर, 1979
मोहर:

प्रकृप धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० ए० पी० एस०/8/79-79:—अतः मुझे आर० के०

मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 118 कनाल मरले है तथा जो गांव बेला राम गढ़, तहसील आनन्दपुर साहिब में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्दपुर साहिब, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्धे; और/या

(ख) ऐसा कितना आय या कितना धन या धन्य वास्तव्यों को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति धारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्धे;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, गांव पलासी तहसील आनन्दपुर साहिब।

2. श्री गरुदेव सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, श्री जगतार सिंह, श्री अवतार सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, वासी बेला राम गढ़ तहसील आनन्दपुर साहिब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 118 कनाल 4 मरले है और जो बेला रामगढ़ तहसील आनन्दपुर साहिब में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आनन्दपुर साहिब के कार्यालय के विलेख संख्या 1702, जनवरी, 1979 में दर्ज हैं)

आर० के० मल्होत्रा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 6 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एन० डी० एच०/173/78-79:—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-838 जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 330 वर्ग गज है तथा जो कृष्णा नगर, फिरोजपुर, रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पक्षात्:—

1. श्री अवतार सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह वासी ई०-37 सराभा नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती (डा०) अमरजीत कौर पत्नी श्री जगमोहन सिंह, बी०-20-838, कृष्णा नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-20-838, कृष्णा नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 330 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3790, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 6 सितम्बर, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल० डी० एच०/207/78-79:—अतः मुझे आर०
के० मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्याबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3097 वर्ग गज
है तथा जो साराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धृष्टः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्त-
राल में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्रीमती गुरबचन कौर पुत्री श्री केहर सिंह, श्री गुरमेल
सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, वासी 21-
फोर्ट स्ट्रीट, बारले बैस्ट, मिड लैण्ड, इंग्लैंड, अब
गांव बरसल तहसील जगराओ जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

2. श्री विजय कुमार, श्री आशिष कुमार व श्री अशोक
कुमार मुन्जाल पुत्र श्री दया नन्द श्रीमती पेक्षा
मुन्जाल पत्नी विजय कुमार मुन्जाल, श्रीमती सोभाना
मुन्जाल पत्नी श्री आशिष कुमार श्रीमती नीलम
मुन्जाल पत्नी अशोक कुमार आरे वासी-21, सार० माडल
टाउन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रारम्भ 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3097 वर्ग गज है और जो
साराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4065, जनवरी, 1979 में दर्ज
है)

आर० के० मल्होत्रा

मध्यम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6 सितम्बर, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एन० डी० एच०/208/78-79:—अतः मुझे आर०
के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान सं० बी०-16/185/8, जिसके प्लॉट
का क्षेत्रफल 77.1/2 वर्ग गज है तथा जो लिंक रोड, गिल
चौक, लुधियाना, से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन नमनलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री सुजान सिंह, 177-आर,
माडल टाउन, लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अवतार सिंहपुत्र श्री ज्ञान सिंह, 68-टीचर कालोनी
शास्त्री नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिदबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० बी०-16-185/8, लिंक रोड, गिल चौक,
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या 4074, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 5 सितम्बर 1979

मोहर

प्रथम भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० एल० डी० एच०/203/78-79:—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है तथा जो गिआसपुरा, तहसील लुधियाना से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—276GI/79

1. श्री मुन्ना सिंह पुत्र श्री रलिया व श्रीमती इन्द कौर पुत्री रलिया वासी गिआसपुरा, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

2. मैसर्स पी० एस० एण्ड सन्ज, जी०टी० रोड, लुधियाना द्वारा श्री प्रीतम सिंह, गुरचरण सिंह, हरबन्स सिंह, व बलवन्त सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किन्हीं अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है और जो गिआसपुरा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4054, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रकरण भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल० डी० एच०/255/78-79:—अतः मुझे आर०

के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 99-एल, है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारक :—

1. श्रीमती सुहागवन्ती पत्नी श्री राम रखा शर्मा, वासी कोठी नं० 99-एल०, माडल टाउन, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री ओम प्रकाश, वासी 93-एल०, माडल टाउन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभु व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 99-एल जिसका क्षेत्रफल 594.7/9 वर्ग गज है और जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4409 फरवरी, 1979 में वर्णित है)

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 6 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रकृष धार्डि० डी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, धायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

सं० पी० टी० ए०/297/78-79:—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि ब्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो बंडूगर, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और अनुसूची से पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री हरी सिंह पुत्र जीवन सिंह, वासी बंडूगर, पटियाला।
(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द वासी बंडूगर रोड, पटियाला (पास मकान राम लोक)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जो बंडूगर, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6070, मार्च, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख 11 सितम्बर, 1979
मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)?

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी० टी० ए०/9/78-79:—अतः मुझे आर० के०
मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इस पत्रावली 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिस्वा (935
वर्ग गज) है तथा जो बंडूगर, तहसील पटियाला में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अप्रैल, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

1. श्री प्रेम नाथ सेठ पुत्र सोहन लाल जनरल अटारनी
श्री विनोद कुमार पुत्र श्री मदन लाल अशोक कुमार
पुत्र श्री मदन लाल वासी चिकस होटल, नवा पटियाला
(अन्तरक)

2. श्री नरिन्दर सिंह पुत्र जगीर सिंह वासी गांव टोहरा,
तहसील नाभा जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिस्वा (935 वर्ग गज) है
और जो बंडूगर, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 192, अप्रैल, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 सितम्बर, 1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी टी० ए/215/78-79:--अतः मुझे आर० के०

मल्होत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला, में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:--

(क) अगर तब से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किताब आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल बीवरीयां रोड, लाहौरा गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री लाल ईन्दर सिंह पुत्र श्री सुखिन्दर सिंह, 27-डी० माडल, टाउन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है और त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5118, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 सितम्बर, 1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं. 75/55/78-79:—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव माशीगां, सब-तहसील दुधां सुधां में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुधां सुधां में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अतिरिक्त रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन बार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों का जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मनोहर सिंह पुत्र श्री राम सिंह वासी 1012/3, खालसा मोहल्ला, पटियाला, जो० ए० माया सिंह पुत्र गुरदित सिंह, श्रीमती प्रमेश्वरी कौर पत्नी स्व० हीरा सिंह व विरिन्दर सिंह, नरिन्दर सिंह, कुलबोर सिंह, गुरदित सिंह, पुत्र स्व० हीरा सिंह वासी बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम सिंह पुत्र तुलसा सिंह वासी आत्म नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

4. मैसर्स स्लदा राम, नानक चन्द, गांव माशीगां, सब-तहसील दुधां सुधां जिला पटियाला।

—(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 8 मरले है और जो गांव माशीगां, सब-तहसील दुधां सुधां, में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधां सुधां के कार्यालय के विलेख संख्या 719, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 11 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० सी एच० डी०/265/78-79:—अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1.1/2 मंजिल मकान नं० 1243 जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 275 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 19-बी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में शैत्यतिक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिक में कटौत करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या यथा प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्:—

1. श्री जी० एल० नन्दा पुत्र श्री दिवान चन्द नन्दा, वासी मकान नं० 1191, सैक्टर 18-बी०, चण्डीगढ़ (मैनेजर, न्यू बैंक आफ इण्डिया, सैक्टर 17, चण्डीगढ़) (अन्तरक)

2. डा० एच० सी० गुप्ता पुत्र श्री आर० सी० श्रीमती मुदेश गुप्ता पत्नी श्री एच० सी० गुप्ता, वासी 188, सैक्टर 16ए०, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

3. (1) श्री नरिन्दर कुमार गोयल पुत्र श्री सीता राम वासी 259-इण्डस्ट्रीअल एरिया, चण्डीगढ़।

(2) डा० सरिता मल्होत्रा पत्नी श्री अनील मल्होत्रा पहली मंजिल, मकान नं० 1243, सैक्टर 19-बी०, चण्डीगढ़।

—(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मिति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

यह नगरिक व्यक्ति से संबंध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्येक हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दित गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1243, सैक्टर, 19-बी०, चण्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 808, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मल्होत्रा
समम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11-9-79

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी० टी० ए०/230/78-79:—अतः मुझे, आर० के०

मल्होत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 6 मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदों, पटियाला में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी बीवरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगवीर कौर, बलबीर कौर पुत्रीयां श्री गुरबचन सिंह वासी कोठी नं० 133, पंजाबी बाग भूपिन्दरा रोड, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 6 मरले है और जो त्रिपड़ी साईदों, पटियाला में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5343, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मल्होत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11 सितम्बर, 1979

मोहूर :

प्रकृप धार्मि. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पीटीएफ०/259/78-79—यतः मुझे, धार० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 मरले है तथा जो लिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है और (इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तर्गत के धारित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य धास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
7-276G1/79

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, बिबरीयां स्ट्रीट, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मनजीत सिंह आफ सुनाम, मारफत हरजीत सिंह पुत्र हरदेव सिंह गरेवाल, बिबरीयां स्ट्रीट, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्ण के लिए कार्यवाही कराया जा रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्ण के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त भागों और पंक्तियों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 है मरले और जो लिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5614, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

धार० के० मलहोत्रा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सीएचडी०/279/78 79—प्रतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बूथ नं० 11, जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 24.97 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 27-डी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उलझे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुन्दन लाल पुत्र श्री सुख दयाल, वासी मकान नं० 3592, सैक्टर 37-डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री नरबन्त सिंह बग्गा पुत्र श्री संतोष सिंह बग्गा व अमरजीत सिंह बग्गा पुत्र श्री नरबन्त सिंह बग्गा, वासी मकान नं० 3095, सैक्टर 15 डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. डा० बी० एस० नन्दा, बूथ नं० 11, सैक्टर 27-डी, चन्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रत्येक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बूथ नं० 11, सैक्टर 27-डी, चन्डीगढ़ जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 24.97 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 908, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी एच डी०/277/78-79—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 608, जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल
1014 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 36 बी, चन्डीगढ़ में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत् :—

1. श्री करतार सिंह लौली पुत्र श्री गुरवित सिंह मारफत
वी इंडियन पलाई वुड मैनिफैक्चरिंग कम्पनी, डंडेली,
नार्थ कानरा (करनाटका) द्वारा श्री बलदेव सिंह
नागरा पुत्र श्री हरबन्स सिंह नागरा वासी मकान
नं० 14/3 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

2. श्री हरमिन्दर सिंह पुत्र श्री गुरसरन सिंह बाला वासी
मकान नं० 453/35 ए, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 608 सैक्टर 36-बी, चन्डीगढ़ जिसके प्लॉट
का क्षेत्रफल 1014 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 902, जनवरी, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/282/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 50 जिसका क्षेत्रफल 500.5 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीट सी० सैक्टर 28-डी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी/फरवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिणी (भन्तरिणियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के बाबिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या द्रव्य प्राप्तिओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० एल० खन्ना पुत्र श्री आई० डी० खन्ना द्वारा जनरल भटारनी श्री एस० के० कपूर पुत्र अमोलक रामें, कपूर भाफ हौसिंगबोर्ड, हरयाणा, कोठी नं० 64, सैक्टर 8 ए, चन्डीगढ़।

(भन्तरक)

2. श्री हरबीर सिंह चड्ढा, पुत्र श्री हरनाम सिंह चड्ढा, चड्ढा एग्रीकल्चर फार्म, गांव बेहलाना, यू० टी० चन्डीगढ़ भव वासी 3068, सैक्टर 28-डी, चन्डीगढ़।

(भन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 50 स्ट्रीट सी०, सैक्टर 28-डी, चन्डीगढ़ जिसके प्लॉट का क्षेत्रफल 500.5 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 917, जनवरी/फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

निर्देश सं० पी० टी० ए०/276/78-79—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 5170/5-बी० है तथा जो सेवक
कालौनी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अबीत:—

1. श्री जतिन्दर सिंह पुत्र जगजीत सिंह, द्वारा जनरल
अटारनी श्री जगमिन्दर सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह
वासी एन० 149 सैक्टर 8, आर० के० पुरम,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लेख राज भसम बू पुत्र श्री बिल्ला मल वासी
मकान नं० 113 सेवक कालौनी नजदीक स्टेट
कालेज आफ एजुकेशन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5170/5-बी, सेवक कालौनी, पटियाला।
(जावेदद जैगाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5757, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एन० बी० ए०/114/78-79—यतः मुझे आर० के० मलहोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 177.78 वर्ग गज है तथा जो नई अनाज मण्डी, नाभा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कितने धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री जनेश्वर कुमार पुत्र श्री अमीर चन्द, वासी अनाज मण्डी, नाभा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री हरी किशन पुत्र चन्ना राम, मारफत मैसर्ज क्लब, राम जगन नाथ, ग्रीन मार्केट, नाभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 177.78 वर्ग गज है और जो नई अनाज मण्डी नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2593 फरवरी, 1979 में दर्ज है।)

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-9-79

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सू

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० पी०टी०ए०/214/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में; मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्ती।—

1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी बीवरीया रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री जय प्रसाद पुत्र श्री राम स्वरूप, वासी 27-डी, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची।

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 मरले है और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5117, जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० पी०टी०ए०/211/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है तथा जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध०: प्र० उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत :—

1. श्री हरदेव सिंह गरेवाल पुत्र हरचरण सिंह गरेवाल, वासी बीबरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।
(अन्तरक)

2. श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री शाम लाल, वासी बहेरा रोड, पटियाला श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री नन्द लाल, वासी भिड़ियां स्ट्रीट, पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है और जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5034 जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-1979
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस०ओ०एल०/21/78-89—अतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 418 वर्ग मीटर है तथा
जो जवाहर पार्क, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी:-

8-276GI/79

1. श्री वीरधर राम पुत्र श्री झरकु राम, वासी सोलन
तहसील व जिला सोलन (हि० प्र०)।

(अन्तरक)

2. श्री सुदिप्ता मुखर्जी, पुत्र श्री पी० एन० मुखर्जी, वासी
168, सैक्टर 8, चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचे।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 418 वर्ग मीटर है और जो जवाहर
पार्क, सोलन में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के कार्यालय
के विलेख संख्या 68, मार्च, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11 9-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस०आर०डी०/195/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले
है तथा जो गांव बराहमन माजरा, तहसील सरहिन्द में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कवरजीत सिंह बनाम कवलजीत सिंह पुत्र हरकिरत
सिंह गांव कोटला भाई का, तहसील सरहिन्द।
(अन्तरक)
2. मैसर्स गुरु तेग बहादुर कोल्ड स्टोज व आईस फैक्टरी,
बरहामन माजरा, डा० सरहिन्द, तहसील सरहिन्द।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाप
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले है और जो गांव
बराहमन माजरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सरहिन्द के
कार्यालय के विलेख संख्या 3172, जनवरी, 1979 में दत्त
है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

नर्वेन सं० पी० टी० ए०/203/78-79—प्रतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 5 मरले
तथा जो तपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और इससे
उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती
(भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र हरदेव सिंह, बीवरीयां स्ट्रीट,
साहौरी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुजलीता कौर पत्नी श्री धनवंत सिंह
श्रीमती अभीनास सेठी पत्नी श्री हरमोहन सिंह
सेठी, वासी पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रन्तरण के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भ्रन्तरण के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्देश्यकारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 5 मरले है और जो तपड़ी
साईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 4921, जनवरी, 1979 में दर्ज
है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पी०टी०ए०/213/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 10 मरले है तथा जो तपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी श्री हरदेव सिंह, वासी लाहौरी गेट, बीवरीयां स्ट्रीट, पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्री मनमोहन सिंह भल्ला पुत्र श्री प्रेम सिंह आफ पटियाला श्रीमती सतनाम कौर पत्नी तिरथ सिंह आफ चन्डीगढ़, मारफत श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी हरदेव सिंह गरेवाल, बीवरीयां, स्ट्रीट, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 10 मरले है और जो तपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5116, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 11-9-1979

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एच०—

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

नर्देश सं० आर० ए० जे०/24/78-79—अतः मुझे, आर० के० मलहोत्रा

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दो गोदाम टाऊन शिप, गांधी कालोनी, है तथा जो राजपुरा में, टाऊन नं० 2 में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धस्तखत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धस्तखत (धस्तखतों) और धस्तखती (धस्तखतियों) के बीच ऐसे धस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धस्तरण से हुई किसी घाय की वास्तव; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धस्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य धातुयों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धस्तखती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपावे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्रीमती संतोष रानी पत्नी श्री सुख देव राज कोचर, वासी शाम नगर, राजपुरा।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कृपाल कौर पत्नी श्री करतार सिंह पुत्र श्री साहिब सिंह, वासी गोपालपुर तहसील राजपुरा।
(अन्तरिती)

3. मैसर्स दी पंजाब स्टेट कोपरेटिव सप्लाय व मार्केटिंग फेडरेशन लि० मार्कफेड ब्रांच आफिस, राजपुरा जिला पटियाला।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रालेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो गोदाम टाऊन शिप गांधी कालोनी, राजपुरा टाऊन नं० 2।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 3122, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-79

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक, 11 सितंबर 1979

सं० आर० ए० जे०/21/78-79—अतः मुझे, आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 बिघा 4 बिघा
है तथा जो गांव अजरोर, तहसील राजपुरा में स्थित है
(और इससे उपावद् अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिधियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कमियां नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात् :—

1. श्री महताब सिंह पुत्र श्री करतार सिंह
वासी एफ 1/21, माडल टाऊन, दिल्ली,
मुख्तयार-ए-आम,
श्रीमती राम दिवती विधवा सन्त सिंह
वासी गांव अजरोर तहसील राजपुरा। (अन्तरक)
2. श्री दविन्दर सिंह, राजिन्दर सिंह, मनजीत सिंह
पुत्र श्री जगजीत सिंह पुत्र आत्मा सिंह, हरजीत
सिंह, रणजीत सिंह, बलविन्दर सिंह पुत्र श्री दिदार
सिंह पुत्र आत्मा सिंह वासी गांव, अजरोर, तहसील
राजपुरा जिला पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वापार पश्चात् के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोद्विस्तारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, या उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 बिघा 4 बिघा है और जो
गांव अजरोर, तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित
है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा
के कार्यालय के विलेख संख्या 3004, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)।

आर० के मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के द्वारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

नं० डी एम/53/78-79—अतः मुझे, आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सः भूमि जिसका क्षेत्रफल 91 कनाल 16 मरले
है तथा जो गांव माणीगां, तहसील दुधां सुधां में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुधां सुधां में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन,
तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसार अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या विधा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नातू :—

1. श्री माया सिंह पुत्र श्री गुरदित सिंह, श्रीमती प्रेम
श्वरी कौर विधवा श्री डीरा सिंह, बरिन्दर सिंह,
नरिन्दर सिंह, कुलवीर सिंह, व गुरदीप सिंह पुत्र
श्री डीरा सिंह वासी मलन्द कालीनी, बम्बई।
(अन्तरक)

2. श्री गुरवचन सिंह पुत्र मनोहर सिंह, हरबान सिंह
पुत्र राम सिंह, पुराना गड्डा खाना पटियाला।
(अन्तरिती)

4. मैसर्स रुलदा राम नानक चन्द गांव माणीगां, सब-
तहसील दुधां सुधां, जिला पटियाला।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 91 कनाल 16 मरले है और
जो गांव माणीगां, सब-तहसील दुधां सुधां जिला पटियाला
में स्थित है।

(जायेदावा जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधां सुधां,
के कार्यालय के विलेख संख्या 696, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 11 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी टी ए/210/78-79—प्रतः मुझे आर० के०
मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले
है तथा जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
व्यय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वस्तुओं
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी श्री हरिन्दर सिंह गरेवाल,
बासी बीवरीयां रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला (अन्तरक)
2. श्री रघु नाथ पुत्र श्री प्यारा लाल व श्री मुक्तधर सिंह पुत्र
श्री बरयाम सिंह बासी 22 हरगोबिन्द नगर, सरहिन्द
रोड़, पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले है और जो त्रिपड़ी
साईदा, पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5024, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-9-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी० आई० ए/215/78-79—प्रतः मुझे आर० के० मलहोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 1 मरला है तथा जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के बाधित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-276GI/79

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह, बीवरीया रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला (अन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मनजीत सिंह आफ सुनाम, मारफत रणजीत सिंह पुत्र हरदेव सिंह, बीवरीया स्ट्रीट लाहौरी गेट, पटियाला (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाधक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्याबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 1 मरला है और जो त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5135, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-9-79
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० डी एस/56/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 14 मरले 1/3 भाग है तथा जो गांव मशीगां, सब तहसील दुधां सुधां में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुधां सुधां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भगवान सिंह पुत्र सन्त सिंह बासी इतममान बाजार, जम्मू द्वारा मनोहर सिंह पुत्र राम सिंह, जी० ए० 1012/3, खालसा मोहल्ला, पटियाला। (अन्तरक)
2. श्री प्रेम सिंह पुत्र तुलसा सिंह, बासी आत्मा नगर, लुधियाना (अन्तरिती)
4. मैसर्स रूदा राम नानक चन्द, गांव मशीगां सब तहसील दुधां सुधां, जिला पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 14 मरले 1/3 भाग जो मशीगां, सब तहसील दुधां सुधां, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधांसुधां के कार्यालय के विलेख संख्या 742 जनवरी, 1979 में दर्ज है)

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 11-9-1979

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० सीएचडी/261/78-79—अतः मुझे आर० के० मलहोत्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य '25,000/- रु०' में अधिक है

और जिसकी सं० शो रूम प्लॉट नं० 25, सैक्टर 26, मध्या मार्ग, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के गणित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधुन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारियों :—

(1) मैसर्स हजारा सिंह इन्दर सिंह, 94 ग्रीन मार्केट, चण्डीगढ़ द्वारा पार्टनर

1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र इन्दर सिंह,
2. श्री नरन्जन सिंह पुत्र इन्दर सिंह,
3. श्री परशोतम सिंह पुत्र इन्दर सिंह, द्वारा अटारनी श्री कृष्ण कुमार
4. श्री चरनजी लाल पुत्र इन्दर सिंह । (अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती उषा कपूर पत्नी डा० विनय कपूर,
2. श्रीमती अरुना कपूर पत्नी श्री ए० के० कपूर,
3. श्रीमती रेखा कपूर पत्नी श्री विनोद कुमार कपूर,
4. श्रीमती अन्नू कपूर पत्नी श्री अनील कपूर
5. श्रीमती शशी कपूर पत्नी श्री राजीव कुमार
6. विनोद कपूर पुत्र श्री श्रीराम कपूर सारे आसी 528 सैक्टर 10डी, चण्डीगढ़ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

शो रूम प्लॉट नं० 25, सैक्टर 26, मध्या मार्ग, चण्डीगढ़ जिसका क्षेत्रफल 762.96 वर्ग गज है ।

(जायदाद जिसका रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 797, जनवरी, 1979 में दर्ज है ।)

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना/4/181/78-79—यतः, मुझे, आर०
के० मल्होत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० बी-1-1053 है, तथा जो संत रोड़, नजदीक
पुराना दयानन्द हस्पताल, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध भनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्याय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,

1. श्रीमती तारा बन्ती विधवा श्री काली चन्द सगड़
बी-1-1053, सन्त रोड़, सिविल लाईन लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्री प्रेम कुमार चोड़ा पुत्र सत देव चोड़ा बी-1-1053,
सन्त रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की जामाई से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

संक्रान्त नं० बी-1-1053, सन्त रोड़, सिविल लाईन,
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या 3912, जनवरी, 1979
में दर्ज है)।

आर० के० सलहोत्रा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० डी० एस०/57/78-79—यतः, मुझे, भार०

के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 बिघा 13 विष्व है, तथा जो गांव नारनवाला, सब-तहसील दुधन साधां, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुधन साधां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहित्तर सिंह मुतबना पुत्र श्री दलीप सिंह वासी नारनवाला, सब-तहसील दुधन साधां, जिला पटियाला ।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री शेर सिंह, अवतार सिंह, सुच्चा सिंह व गुरमीत सिंह पु जागीर सिंह वासी गांव ननेवाला जिला अम्बाला अब वासी गांव नारनवाला, सब-तहसील दुधन साधां ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 बिघा 13 विष्व है और जो गांव नारनवाला, सब-तहसील दुधन साधां, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, दुधन साधां, के कार्यालय के विलेख संख्या 749, जनवरी, 1979 में दर्ज है) ।

भार० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 13 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० राजपुरा/23/78-79—यतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 बिघा 15 बिघवा है, तथा जो गांव पवाला, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायबल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य परिस्थितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती इन्दरजीत कौर पत्नी श्री सावन सिंह वासी कोटला मुलेमान तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला (अन्तरक)

2. श्रीमती अमरकौर पत्नी श्री ईशर सिंह व सर्वश्री करतार सिंह, सन्त सिंह, बलवन्त सिंह, रणजीत सिंह मंगल सिंह पुत्र श्री रामपत सिंह राय वासी गांव पवाला तहसील, राजपुरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 बिघा 15 बिघवा है और जो गांव पवाला, तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 3108, जनवरी, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर 1979

मोहर :

ग्राह्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/221/78-79—यतः मुझे, आर०
के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल
8 मरले व 1/2 भाग बिल्डिंग है, तथा जो गांव गलोरी,
तहसील व जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मन्जू बाला पुत्री आशा रानी विधवा श्री देव
भारत वासी सनौरी रोड़, पटियाला।
(अन्तरक)

2. डा० नापिन्दर सिंह बाहल पुत्र काका सिंह वासी सनौरी
गेट अट्टा, पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पाप
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 8 मरले है
व 1/2 भाग बिल्डिंग जो गांव गलोरी, तहसील पटियाला में
स्थित है।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5238, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० अमलोह/102/78-79—यतः, मुझ, आर०
के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
लुधियाना,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 45443 वर्ग
फुट है, तथा जो मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील अमलोह, जिला
पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अर्थों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण चन्द गुलाटी पुत्र श्री बाबू रत्ना राम, बाई नं०
3, मण्डी गोबिन्दगढ़ ।
(अन्तरक)

2. मैसर्स सुलेख राम बनारसी दास स्टील रोलिंग मिल्स,
मण्डी गोबिन्दगढ़ (द्वारा श्री अमरजीत सिंह) ।
(अन्तरिणी)

3. मैसर्स सुलेख राम बनारसी दास स्टील रोलिंग मिल्स, मण्डी
गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 45443 वर्ग फुट है और
जो मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या 1599, जनवरी, 1979 में
दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर 1979
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

नर्वेश सं० चण्डीगढ़/266/78-79—यतः, मुझे, आर०
के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन
रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मध्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2231 है, तथा जो सैक्टर 22सी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पारा गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10-276GI/79

1. श्री ज्ञान सिंह वासी मकान नं० 2231, सैक्टर 22-सी,
चण्डीगढ़
(अन्तरक)

2. श्री अजमेर सिंह वासी मकान नं० 2231, सैक्टर 22-सी,
चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

3. (1) श्री विपन लाल (प्राउंड फ्लोर),
(2) श्री सत पाल गुप्ता (पहली मंजिल),
(3) श्री हरमेश शर्मा (दूसरी मंजिल),
(4) श्री ज्ञान सिंह वासी मकान नं० 2231, सैक्टर
22-सी चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2231, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 818, जनवरी, 1979 में
दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर 1979
मोहर :

प्रकृप धार्ग० टी० एन० एस०—

1. डा० कृष्ण कुमार पुत्र श्री मुरारी लाल सरहिन्दी बाजार, पटियाला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/217/78-79—यतः, मुझे, आर०
के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 4 मंजिल मकान कम शाप नं० 2145/2 व
2146/2 है, तथा जो मेन सरहिन्दी बाजार, पटियाला में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातुः—

2. श्री अशोक कुमार सेठी पुत्र श्री अमृत लाल व श्रीमती
राज रानी पत्नी श्री अशोक कुमार वासी 2145/2
व 2146/2, सरहिन्दी बाजार, पटियाला
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप कम मकान नं० 2145/2 व 2146/2 जो मेन
सरहिन्दी बाजार, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 5136, जनवरी, 1979
में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 13 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

नर्देश सं० चण्डीगढ़/267/78-79—यतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज लुधियाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 3 बिस्वा है, तथा जो गांव बधेरी, यु० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति 6 उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० रिपूदमन सिंह पुत्र खेम सिंह गरेवाल आफ बम्बई द्वारा जनरल अटारनी श्री जे० एस० हिल्लों 659/16, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जसवन्त कौर पनी श्री उजागर सिंह गांव बधेरी, यु० टी० चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 3 बिस्वा है और जो गांव बधेरी, यु० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विले संख्या 822, जनवरी, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/209/78-79—यतः, मुझे आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जुन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8 जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, तथा जो मेन जगदीश आश्रम रोड़, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भारत इन्दर सिंह पुत्र श्री पालविन्दर सिंह वासी पटियाला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सन्तोष कौर पत्नी गुरदियाल सिंह द्वारा श्री मधु सिंह, करतार सिंह स्ट्रीट, मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कां० श्री आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समस्तर्फी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो मेन जगदीश आश्रम रोड़, पटियाला में स्थित है ।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिले संख्या 5006, जनवरी, 1979 में दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकरण आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० LUD/272/78-79:—यतः मझे, आर०
के० मलहोत्रा, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,
लुधियाना,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल मकान नं० 2652 है, तथा जो
जो सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

(1) श्री हरदीप सिंह पुत्र स्व० श्री हरनाम सिंह वासी
मकान नं० 2652, सैक्टर 26-सी, चण्डीगढ़
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरप खन्ना पत्नी श्री केवल कुमार खन्ना वासी
मकान नं० 2652, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़
(अन्तरिती)

(3) 1 डा० डी० के० राय (होमोपैथ)

2 श्री सुरजीत सिंह बाजवा व

3 श्री मोहिन्दर पाल चौपडा वासी

मकान नं० 2652, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

4. दी डारेक्टर, सोसल व बेलफेयर डिपार्टमेंट, हरियाणा
चण्डीगढ़—(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 2652, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या 887, जनवरी, 1979 में
दर्ज है) ।

आर० के० मलहोत्रा,

सक्षम अधिकारी,

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर, 1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना, /174/78-79—यतः, मुझे, आर०
के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज,
लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बी-6/1082 (पुराना) बी-9-5/495 (नया)
है, तथा जो पुराना समराला रोड, लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री हरविन्दर सिंह साहनी पुत्र सुजान सिंह साहनी
आर-278, ग्रेटर कैलाश-1, न्यू दिल्ली-48।
(अन्तरक)

2. श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी जीत सिंह मारफत मैसर्स
सरदार नमकीन व स्वीट शाप, बी-4-508, मीना
बाजार, लुधियाना 2 मकान नं० बी-9-910,
गुलचमन गली, लुधियाना।
(अन्तरिती)

3. मैसर्स विन्टर बूलई हौजरी मिल्ज, पुराना समराला
रोड, लुधियाना — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग जायदाद नं० बी-9-495, सामने अहाता शेर अंग,
पुराना समराला रोड, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के
कार्यालय के विलेख सं० 3791, जनवरी, 1979
में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 सितम्बर 1979।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना/2023/78-79—यतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जुन रेंज, लुधियाना, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी-6-1082 (पुराना) बी-9-एस-495 (पुराना) है, तथा जो पुराना समराला रोड़, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबिदा नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जसविन्दर सिंह माहनी पुत्र सुजान सिंह साहनी बी-2-1321, सुजान सिंह स्ट्रीट, बंजमन रोड़, लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री जीत सिंह पुत्र लाल सिंह, मारफत मैसर्ज जीत सिंह चरन सिंह, हलवाई, शाप नं० 304, चौड़ी सड़क, लुधियाना। (अन्तरित)

3. मैसर्ज विन्टर बूलई होजरी मिल्ज, पुराना समराल रोड़, लुधियाना। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग जायदाद सं० बी-9-495, पुराना समराला रोड़, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 सितम्बर 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० मलेरकोटला/24/78-79—यतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11.1/2 मरला है, तथा जो मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन अर्णीतः—

1. मुहमद इमरान, मुहमद मुशताग, अमरान अली पुत्र उमरुद्दीन, वासी अहमदगढ़ (मलेरकोटला) (अन्तरक)

2. श्री सुखदेव सिंह गरचा पुत्र श्री केहर सिंह, बी-20-658, गरदेव नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उसे अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11.1/2 मरला है और जो मलेरकोटला में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 103, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 सितम्बर 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० मलेरकोटला/23/78-79—यतः, मुझे, आर० के० मलहोत्रा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11. 1/2 मरला है, तथा जो मलेरकोटला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धू प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए व्यवसाय गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—276 GI/79

1. श्री मुहम्मद इमरान, मुहम्मद मुशताफ व मुहम्मद अमरान अली पुत्र उमरुद्दीन वासी अहमदगढ़ (मलेरकोटला) (अन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह गरचा पुत्र श्री केहर सिंह बी-20-658, गुरदेव नगर, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11. 1/2 मरला है और जो मलेरकोटला में स्थित है।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 102, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्रा
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 सितम्बर 1979

मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22677/79-80/एक्यू/बी—यतः
मुझे, पी० रंगानाथन
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 25, है, तथा जो II क्रस, मलेशवरम, बंगलूर-
560003, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर,
बंगलूर दस्तावेज सं० 3263/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 जनवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप में कार्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या धन्य प्राप्ति, को,
जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातु:—

1. श्री एस० टी० शिवारामय्या पुत्र श्री सूर्यानारायणय्या
सं० 25, II क्रस मलेशवरम बंगलूर-560003
बंगलूर-560003।

(अन्तरक)

2. श्री सुसतफा खान पुत्र मोहबूब खान, सं० 347,
ऊरगमपेट के० सी० एफ०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घाकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3263/78-79 तारीख 3-1-79)

यह सम्पत्ति सं० 25, II क्रस, मलेशवरम बंगलूर-
560003।

चकबंदी पूर्व: श्री रंगाचारी का घर

प: मुनसीपल रोड

उ: श्री चन्नावस्स्या का घर

द: II क्रस रोड।

पी० रंगानाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 30-7-1979]

मोहर:

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी आर 62/23295/79/80/ए सी क्यू/बी/—

यतः मुझे, पी० रंगनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1039/14, है, तथा जो 1 मेन रोड, ब्लॉक, राजाजीनगर बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर दस्तावेज सं० 4331/78-79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हुआ है तबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री एम० वी० तिप्पास्वामी पुत्र लेट श्री एम० विशवानाथय्या श्रीमती एम० पारंवातम्मा पत्नी कुमारी एम० वी० शाशीकाला रीप्रेजेंट कर रहे हैं एम० पी० तिप्पास्वामी प्रोप० तिप्पास्वामी ट्रांसपोर्ट वी० पी० एकस्टेंशन चित्रादुर्गा।

(अन्तरक)

2. श्री एस० जी० श्रीनिवासन अडवाकेट सं० 1039/14, मेन रोड, IV ब्लॉक राजाजीनगर, बंगलूर-560010।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 4331/78-79 ता० 2-1-79]

घर संपत्ति सं० 1039/14, 1st मेन रोड IV ब्लॉक, राजाजीनगर, बंगलूर-560010।

चकबंदी :—उ : साइट सं० 1038

व : कुनडाजी बस्तप्पा की संपत्ति

पूरब : 80 फीट का रोड

प : कनसरवेनसी लेन।

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 30-9-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 अगस्त 1979

निर्देश सं० सी आर 62/22893/79-80/एसी क्यू/(बी)
यतः मुझे, पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 7, तथा नया नं० 10 टिरामस्वामी ले आउट III क्रॉस, सिद्धय्या रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्रीमती लक्ष्मीदेवी पत्नी श्री सी० एम० एम० शर्मा, नं० 13/13, पंपामहाकवि राड्, शंकरपुरम, बंगलूर-4।

(अन्तरक)

2. (1) श्री युसुफुल्ला खान
(2) श्री सविपुल्ला खान
(3) श्री ओबेदुल्ला खान
(4) सीयापुल्ला खान
(5) शफियुल्ला खान श्री शिथशवान।

सभी निवासी पुराना नं० 7, नया नं० 10, टी० रामस्वामी लेआउट, एम० सिद्ध्या रोड बंगलूर-27।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 464/78-79 ता० 27-1-79]
पुराना नं० 7, नया नं० 10, टी० रामस्वामी लेआउट III क्रॉस एम० सिद्ध्या रोड, बंगलूर।

उ : श्री एस० इ० वेनुगोपाल का प्रोपटी।

व : श्री कुमार और मूर्ति के प्रोपटी

पू : III क्रॉस रोड और

प : श्री सयद हबीद सज्जन और मोहम्मद उसमान्स के प्रोपटी।

पी० रंगनाथन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-8-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी आर 62/22990/79-80/एसी न्यू/—

यतः, मुझे पी० रंगनाथन्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 149, 11 मेन रोड, है, जो 324 क्रास, ए ब्लॉक जयनगर ईस्ट बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एम० वेल्लियन् पुत्र श्री मानीकम चेट्टियार नं० 18/2/215, अशोकनगर, तिरुपति टाऊन, चित्तूर डिस्ट्रिक्ट, (ए० पी०)।

(अन्तरक)

2. श्री के० टी० देशियटपन पुत्र श्री के० टी० तिरुमलाह-स्वामी चेट्टियार, प्लॉट नं० 6, फस्ट फ्लोर "नाइन एकसेस"। () का० कोपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, 18 मेन रोड, खार बम्बई-400052।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री हमीदुल हक

(2) श्री के० बी० पौलरोज

(3) श्री शंकर प्रभु

(4) श्री कृष्णजी राव

(5) श्री वासुदेव राव

(6) श्री काशी पी०

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्क्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3075/78-79 तारीख 19-1-79]

ए० पोर्शन आफ दी प्रिमिजेज नं० 149, 11 मेन रोड, 3 क्रास, IV ब्लॉक, जयनगर ईस्ट, बंगलूर-11।

चकबंदी : पू: प्राइवेट प्रापर्टी

व: प्राइवेट प्रापर्टी

प: 11 मेन रोड और

उ: क्रास रोड।

पी० रंगनाथन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 31-7-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० CR 62/22854/79-80-Acq./B-अतः मुझे, पी० रंगनाथन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या खाली जगह का नं० 51, है, तथा जो मद्रास स्पेयर आफिसर्स हाऊस बिल्डिंग को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि० दोडिगुंटा, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 19 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1. श्री एस० पी० पूरी, नं० 14, पैलेस रोड, बंगलूर।
(अन्तरक)

2. श्री ए० सी० कोशी एजेंट फार (हिज होलिनेस मोरन मार थोमा मध्यज/दि काथोलिक आफ दी ईस्ट थोर मलामबासी, मेट्रोपालिटन), विकार-गली ग्रेगोरियस आर्थोडक्स सिरियन् चर्च, हासर रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

(दस्तावेज सं० 2945/78-79 ता० 19-1-79)

खाली जगह का नं० 51, मद्रास स्पेयर आफिसर्स हाऊस बिल्डिंग को० आपरेटिव सोसाइटी लि० दोडिगुंटा बंगलूर।

चक्रबंदी

पू० खाली जगह का नं० 12,
उ० खाली जगह का नं० 50,
प० रोड और
व० रोड।

पी० रंगनाथन्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-8-1979

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एम.—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22972/79-80/एसीक्यू० (बी०)

—यतः मुझे, प० रंगनाथन

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खाली जगह का नं० 274, है, तथा जो बिन्नायंगला डिफेन्स कालोनी एच० ए० एल० रोड II में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर में रजिस्ट्री-करण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रम्द्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ब्रिगेडियर के० केसवे नायक रिटायर्ड पुत्र लेट के० रामनाथ नायक नं० 190 V क्रॉस, वसंथनगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बी० आर० शिवप्रसाद पुत्र श्री रामय्या रुम नं० 56 बी० एम० सी० जेंटस होस्टल पैलेस रोड, बंगलूर।

(2) श्री बी० आर० मुरलीधर पुत्र रामय्या रुम नं० 27, बी० वी० बी० इंजीनियरिंग कालेज, विद्यानगर, हुबली-20

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2835/78-79 दिनांक 10-1-79)

खाली जगह का नं० 274, बिन्नायंगला डिफेन्स कालोनी, एच० ए० एल० रोड, II स्टेज, बंगलूर।

चक्रबंदी :—

पू : 100 रोड

प : खाली जगह का नं० 262

उ : प्लॉट नं० 275 और

द : प्लॉट नं० 273 और 272।

पी० रंगनाथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 17-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 अगस्त 1979

निर्देश सं० सी०आर० 62/22987/79-80/ए०सी०क्यू०बी०/-
यतः मुझे पि० रंगनाथन्

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग प्रिमिसिज है तथा जो ओल्ड नं० 2, नया नं० 23 कनस्ट्रक्टिड आन नार्दन हाफ पोर्शन आफ प्लॉट नं० 17 केंगल हनुमंथय्या रोड, (डिवीजन नं० 26) शांतिनगर बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किमी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री बी० जी० कृष्णन् पुत्र लेट बी० वी० गरुदाचार
- (2) श्री बी० के० राम प्रकाश
- (3) श्री वी० के० अरुन कुमार
- (4) श्री बी० के० उदय कुमार

श्री बी० जी० कृष्णन् के पुत्र, नं० 2 व 3 रिप्रेजेन्टेड बाई देअर फादर और पावर आफ अटोरनी होल्डर चिम्का ओडोगडि बंगलूर के निवासी (अन्तरक)

2. श्री डी० एच० सिवकृष्णय्या सुपुत्र लेट हृष्यावीरप्पा नं० 23 केंगल हनुमंथय्या रोड, शांतिनगर, बंगलूर-27। (अन्तरिती)

3. (1) मैसर्स भारती मेडिकल स्टोर्स
- (2) मैसर्स एरो सिस्टम्स।

(वह व्यक्ति, जिसका अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 3228/78-79 ता० 31-1-79)

बिल्डिंग प्रीमिसिज वीयरिंग पुराना नं० 2, नया नं० 23, कनस्ट्रक्टिड आन नार्दन हाफ पोर्शन आफ प्लॉट नं० 17, केंगल हनुमंथय्या रोड (डिवीजन नं० 62) शांतिनगर बंगलूर-27।

चकबंदी :—

पू : दि हौस आफ लेट रंगास्वामी शास्त्री,

प : केंगल हनुमंथय्या रोड

उ : दि हौस आफ लेट श्री हनुमंथय्या वीयरिंग नं० 22

द : हौस नं० 24, आफ दी बेंडासर्स सोल्ड टु० ए० थर्ड पार्टी।

पी० रंगनाथन्,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-8-79

मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 अगस्त 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22922/79-80/एक्यू/वी—यतः
मुझे पि० रंगानाथन सहायक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० 4-5-11 और 4-5-12 है, तथा जो अमबालपाड़ी
वारड, मुद्रानीडमबूर गांव उडुपी, एस० के में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुपी, दस्तावेज सं० 898/78-
79 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 31-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—276 GI/79

1. (1) श्री ए० एम० मोहन राव चैयरमैन और
डाइरेक्टर आफ दी शावरकर, विट्टाल मोटार
कम्पनी लिमिटेड अर्घता फलनीर मंगलूर
- (2) श्री कृष्णमती राव अरूर मयानधिग डाइरेक्-
टर दी० शंकर विट्टाल मोटार कम्पनी
लिमिटेड गायतरी फलनीर मंगलूर।
- (3) श्री ए० श्रीपती राव, जनरल मयानवर
अरविद मोटारस अलानकार फलनीर मंगलूर।
- (4) श्री ए० रामेरा राव गयानेधिग डाइरेक्टर
दी शंकर विट्टाल ट्रान्सपोर्ट कम्पनी लिमिटेड,
कोपपाटाऊन।

(अन्तरक)

2. श्री के० सातीशचन्द्रा हेगडे पुत्र श्री एस० हीरयनता
हेगडे अलानकार आजवजरकड़ उडुपी टाऊन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज 98/78-879 ता० 31-1-79)

घर सम्पत्ति तथा जो अमबलपाड़ी वार्ड मेदानीडमबूर
गांव, उडुपी टाऊन (ए० के०) में है जमीन 68 सेंटेस आर०
सी० सी० का घर "अलानकार" नाम से कहलाता है उसका
सं० 4-5-11 और टाइलड का घर सं० 4-5-12।

प० रंगानाथन्
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 18-8-79

होदर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 अगस्त, 1979

निर्देश सं० एस०-178/अर्जन/78-79—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 560 तथा 573 है तथा जो ग्राम मनपुरी तथा जिला रामपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई कितनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्यायनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अखतर लका बेगम उर्फ सुरहया बेगम (अन्तरक)

2. श्री सय्यद अली खां व हुसेन अली खां उर्फ सलमान-मियां (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी बाके ग्राम वमन पुरी तहसील सवर रामपुर नम्बरी 573 व 569 कुल 24 बीघा पुक्ता व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37 जी संख्या 134 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार रामपुर के कार्यालय में दिनांक 18-1-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-8-79

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग-लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1979

निदेश सं० एन०-28/अर्जन 79-80—अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉटभूमि है तथा जो ग्राम बस्तोली लखनऊ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

यह धाय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव (अन्तरक)
2. श्री नन्द किशोर व चन्द्र कलानी (अन्तरिती)
3. विक्रेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

सहस्रकोटकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लॉट क्षेत्रफल 6 बिस्वा 15 बिस्वांसी स्थित ग्राम
परगना व तहसील बस्तोली जिला लखनऊ व संपत्ति का
वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 503 व सेल
डोड में वर्णित है जो दोनों सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय
में दिनांक 2-1-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6-8-79

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 अगस्त, 1979

सं० ए० सी० ब्यू०/23-2-2440(839)/1-1/79-
80—अतः, मुझे, एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19-अ, है तथा जो कालानाला,
वादासाहेब मंदिर के सामने, भावनगर में स्थित है (और
इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
24-1-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देव के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रमेशचंद्र त्रिभोवनदास त्रिवेदी, कालानाला, दादा-
साहेब मंदिर के सामने, भावनगर। (अन्तरक)

2. श्री गुणवंतराय जे० त्रिवेदी, श्री मुकेश गुणवंतराय
त्रिवेदी, मुकेश गुणवंतराय एच० यू० एफ० के कर्ता के
कुल मुज्तयार, कालानाला, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जिसका प्लॉट नं० 19-ए जो 774-10
वर्ग मीटर जमीन पर खड़ा है जो कालानाला, दादासाहेब
मंदिर के सामने भावनगर में स्थित है तथा बिक्री दस्तावेज
नं० 137/24-1-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भाव-
नगर द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है यानी उसमें प्रापर्टी का
पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 18-8-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० पी० आर० 719 एक्यू० 23-1381/6-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० परिख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9 है तथा जो इम्पाला हाउस, विश्वास कालोनी, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्री रामभाइ भाइलाल भाइ फ्लैट नं० 9, इम्पाला हाउस, विश्वास कालोनी, बड़ोदा। (अन्तरक)

2. श्री रश्मि लाल अंबालाल फ्लैट नं० 9, इम्पाला हाउस, विश्वास कालोनी, बड़ोदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकल जो फ्लैट नं० 9, इम्पाला हाउस, विश्वास कालोनी बड़ोदा में है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ोदा के कार्यालय में रजिस्टर्ड नं० 88 से ता० 18-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० परिख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख: 7-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० पी० आर० 723 अकेला 23-1382/6-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारिख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 40 है तथा जो विश्वास रेंस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्रीमती मृदुला बेन भास्करन पाटिल 6, क्रिष्णा हाउसिंग सोसायटी, आनंद जाल्ला खेड़ा। (अन्तरक)

2. श्री हरेन्द्र शांतीलाल पटेल और दूसरे बाड़ी रंग महल, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकन जी प्लॉट नं० 40, विश्वास रेंस कोर्स रोड, बड़ौदा में है। और जो सामने 5143/6 चोरस फिट है। ये मिलकन रजिस्ट्री कर्ता आजकल बड़ौदा के दफ्तर में का 17-1-1979 का रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 7-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० पी० आर० 724 अकेला 23-1340/7-5/79-
80—अतः मुझे, एस० सी० पारिख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 751 और 752 है
तथा जो अंबरग्राम जी बलसाड़ में स्थित है (और इससे-
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-1-1979
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बदरुद्दीन एच० मसालावाला, ममालावाला निवास
जुहू लेन, अंदेरी घेस्ट, बम्बई-581 (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल पी० जवेरी सी-1/2, हडन होल,
डा० ए० बी० रोड, लोटस सिनेमा के सामने बरली,
बम्बई-4000181 (अन्तरिती)

को यह सूचना दाने करके पूर्वांक सम्पत्ति के धर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों से से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो माप में 3929 चोरस गज है
और जो अंबर गांव जिला बलसाड़ में है। जिसका सं० सं०
नं० 751-ए, और 752 है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
पारडी के कार्यालय सं० 5-1-1979 को रजिस्टर्ड किया
गया है।

एस० सी० पारिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीखः 7-9-1979
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० पी० आर० 725 एड्यू० 23-1340/7-5/
79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारिख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 754 है तथा जो उमरगांव
जिला बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. श्री बदरहीन एच० मसालावाला मसाला वाला
निवास, जुहू लेन, अन्धेरी वेस्ट बम्बई-58। (अन्तरक)

2. श्री चंपकलाल पी० शबरी, सी-1/2, हडन होल,
डो० ए० बी० रोड, लोटस सिनेमा के सामने, धर्ली,
बम्बई-400 078। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका शहर सर्वे नं० 754, जो उमरगांव
जिला बलसाड में है। ये मिलकर रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
पाडी के कार्यालय में ता० 5-1-1979 को रजिस्टर्ड की
गई है।

एस० सी० पारिख,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० ए० सी० क्यू० 23-I-2060(847)/11-1/
79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्याबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेती की जमीन 4878-3 वर्ग गज है
तथा जो नदी के किनारे जुनागढ़ में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य वास्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-276GI/79

1. श्री भैया बिहारी लाल देवकलीदीन तथा अन्य तलाब
दरवाजा के बाहर, जुनागढ़। (अन्तरक)

2. श्री नाथ जी कामशियल कार्पोरेशन भागीदार
श्री मोहनलाल एल० पटेल के भारफत 4, जयश्रीनगर,
जुनागढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्याबर संपत्ति में हितबद्ध
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4788-3 वर्ग गज खेती के जमीन जो नदी के किनारे
जुनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार जुनागढ़ द्वारा बिक्री
दस्तावेज नं० 28/8-1-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है
यानि प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979

मोहर;

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए० सी० क्यू० 23-I-2060 (848)/11-1/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारिख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेती की जमीन 4640-01 वर्ग गज है तथा जो नदी के किनारे, जुनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारितः—

1. श्री भैया बिहारीलाल देवकलीदीन तलाब दरवाजा के बाहर, जुनागढ़। (अन्तरक)

2. श्रीनाथजी कोमशियल कापेरिशन, भागीदार श्री मोरनलाल एल० पटेल के मार्फत 4, जयश्रीनगर, जुनागढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4640-01 वर्ग गज खेती की जमीन जो नदी के किनारे जुनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार जुनागढ़ द्वारा बिक्री दस्तावेज नं० 29/8-1-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है यानि प्रापटी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० पारिख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ; अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

सं० नं० पी० आर०-727/अकेन/23-II/6-1/79-80-
अतः मुझे, एस० सी० पारिख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन, कारेली बाग, निवृत्ति कालोनी
है तथा जो ट्रेनिंग कालेज के सामने में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी ऋण या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 9-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री चन्दुभाई रामभाई पटेल अलकापुरी "रबना"
संपारराव कालोनी, बड़ौदा। (अन्तरक)

2. (1) शाह चतुरभुज हिरालाल
(2) रमावन चतुरभुज महेना पोल, पटवारी
रुड़की, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो कारेली बाग, निवृत्ति कालोनी ट्रेनिंग
कालेज के सामने बड़ौदा में है। जो माप में 3485 चोरस
फिट है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के दफ्तर में
माह जनवरी 1979 में रजिस्टर्ड किया गया है।

एस० सी० पारिख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

सं० नं० पी० आर० 728/एक्यू० 23-II/19-2/79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 381 है तथा जो क्लेज बाब ता० कामरेण में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेण में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री वसंत राय दाह्यभाइ परीक गांव बाब, ता० कामरेण। (अन्तरक)

2. (1) श्री सीगारा सिंग, मसासिंग,

(2) श्री अमरसिंह मंगलसिंह, बड़ोदा, रेयोन, अनाजवाला बिल्डिंग, उधना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो गांव बाब में है और जो माप में 16 एकर और 39 गुंठा है। और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कामरेण के कार्यालय में जनवरी, 1979 के महीने रजिस्टर्ड की गई है।

एस० एन० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

मोहर:

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1979

सं० पी० आर० 738/एकी० 23/19-7/79-80—

अतः मुझे, एस० एन० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० बंगलो नं० 72 शांति निकेतन सोसायटी
में है तथा जो वास्ता देवडी रोड़, लाल दरवाजा सुरत में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवजीत भाई विजलार मोदी 355, लोकीम
रोड़, खार, बम्बई। (अन्तरक)

2. श्री शमभाई दुर्लभभाई पटेल 3/585, मोटा शेरा,
गाले मंडी, सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थान्तरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो शांति निकेतन सोसायटी सुरत
में है और जिसका सं० नं० 422, वास्ता देवडी रोड़ लाल
दरवाजा सुरत है, य मिनकन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुरत
के कार्यालय में ता० 8-1-79 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

एस० एन० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 15-9-1979

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

सं० एफ० नं० सी० आर०-755/एक्वि० 23-11-1346/20-1/79-80—अतः मुझे, एस० एन० पारीख भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० घर नं० 36, प्लॉट नं० 17 है तथा जो देवका, तालुका दमन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दमन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती फरेमी होरमसजी मदरासवाला निरोक्त मेन्सन, नारदेव रोड़, बम्बई-400 0071 (अन्तरक)

2. श्रीमती पीरोजा सोहराबजी ईरानी लालबाग, 'निर्मल विप' डो० मुख रोड़, थाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा दूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो देवका-दमन में है। जिसका नं० 36 और प्लॉट नं० 17 है। यमिलकन रजिस्ट्री सं० कर्ता अधिकारी दमन के कार्यालय में ता० 31-1-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

ए० एस० पारीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

एफ० सं० पी० आर० 756 एक्वि० 23-11/7-5/
79-80—अतः मुझे, एस० सी० पारीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, नतन नगर सोसायटी है तथा जो
पारडी किल्ले पारड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, किल्ला पारडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के
लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीतु :—

1. श्री चंचल कुमार काली परसन मर्जी किल्ल पारडी
जिला बलसार। (अन्तरक)

2 श्रीमती मायाबेन दलसुखभाई पटेल नुतन नगर,
हाउसिंग सोसायटी पारडी, जिला बलसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारणा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो नतन नगर सोसायटी पारडी
में है। और जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पारडी के कार्यालय
में ता० 18-1-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

एस० सी० पारीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 18-9-1979

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION
New Delhi, the September 1979

No. A-12024/2/78-Ad.-V.—The President is pleased to appoint Shri Anil Sud as Technical Officer (Accounts), Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10-9-1979.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL,
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE
New Delhi-110001, the 22nd September 1979

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 30-8-1979 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1443/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Raj Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 5-9-79 (FN) for a period of six months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Iftekhar Unnisa Begum as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 3-9-79 (FN) for a period of six months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE
New Delhi, the 21st September 1979

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer from Korba (MP) Shri P. P. Sahajpal assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DMP Panna (MP) w.e.f. the afternoon of 20th Aug., '79 vice Shri S. R. Sharma Asstt. Commandant who relinquished charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer from Panna (MP) Shri S. R. Sharma assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit BALCO Korba w.e.f. the forenoon of 29th August 1979.

S. NATH,
Inspector-General/CISF

LABOUR BUREAU
Simla-171004, the 6th October 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960-100 increased by seven points to reach 360 (three hundred and sixty) during the month of August, 1979. Converted to base 1949-100 the index for the month of August, 1979 works out to 438 (four hundred and thirty eight).

TRIBHUVAN SINGH,
Deputy Director

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF E. A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 19th September 1979

No. 870/M.—The undersigned is pleased to appoint the following officers of the Currency Note Press, Nasik Road, listed in order of seniority, in a substantive capacity to the posts of Dy. Control Officer in the C.N.P. cadre, with effect from the dates shown against their names :—

1. Shri M. R. Kutty, w.e.f. 23-2-1976.
2. Shri T. N. Valvi, w.e.f. 23-2-1976.
3. Shri B. S. Bendre, w.e.f. 17-8-1978.
4. Shri G. N. Murthy, w.e.f. 17-8-1978.
5. Shri N. J. Dhivare, w.e.f. 17-8-1978.
6. Shri S. T. Pawar, w.e.f. 17-8-1978.

No. 871/M.—The undersigned is pleased to appoint the following officers of the India Security Press, Nasik Road, listed in order of seniority, in a substantive capacity to the posts of Deputy Control Officer in the Stamp Press cadre, with effect from the dates shown against their names :—

1. Shri A. J. Mauskar, w.e.f. 23-2-1976.
2. Shri B. M. Mandal, w.e.f. 17-8-1978.
3. Shri V. Srinivasan, w.e.f. 17-8-1978.
4. Shri V. G. Sane, w.e.f. 17-8-1978.

D. C. MUKHERJEA,
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-2, the 19th September 1979

No. 1702-CA-1/197-69.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri V. V. Orpe, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-77 with effect from 1-8-1979 A.N.

M. S. GROVER,
Deputy Director (Commercial)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL DEFENCE
ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 20th September 1979

No. 86016(16)/78/AN-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that service, until further orders, with effect from the date shown against him.

- (1) SHRI ARUN SEDWAL—1-9-1979 (FN).

R. L. BAKHSI,
Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD.
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE
Calcutta, the 11th September, 1979

No. 15/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following officers in offg. capacity in existing vacancies without effect on seniority, in grades and on dates shown against each.

Shri Nityananda Chakraborty, Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) (on ad-hoc basis)	Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted)	From 1-8-79 until further orders.
Smt. Lila Das, Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) (on ad-hoc basis)	Do.	Do.

The above officers will be on probation for two years from 1-8-1979.

No. 16/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals, in offg. capacity on ad-hoc basis in existing vacancies, in grades and on dates shown against each :

1. Shri Hrishikesh Das, Permtt. Asstt.	Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted)	3 months w.e.f. 1-8-79 or till U.P.S.C. appointee is posted which- ever is earlier
2. Shri Nihar Ranjan Pal, Permtt. Asstt.	Do.	Do.

D. P. CHAKRAVARTI,
ADGOF/Admin
for Director General.

Calcutta, the 16th September 1979

No. 46/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. N. DEODHAR offg. Asstt. Manager (Subst. and Permtt. Foreman) retired from service w.e.f. 30-6-79 (A.N.).

The 19th September 1979

No. 45/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri B. K. Dutta, Offg. A.D.G.O.F. Gr. II (Subst. & Permtt. Sr. ADGOF/Manager) retired from service w.e.f. 30th Apr., 1979/AN.

V. K. MEHTA,
Assistant Director General, Ordnance Factories

No. A-19018(418)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Suresh Bahl as Programmer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of 31st August, 1979, until further orders.

The 14th September 1979

No. 12(241)/61-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Mukherjee, Deputy Director (Mechanical), Small Industries Service Institute, Calcutta as Director (Gr. II) (Mechanical) on ad-hoc basis in Small Industries Service Institute, Patna with effect from the forenoon of 10-8-1979, until further orders.

No. 12(685)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Misra, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small) Scale Industries), New Delhi, as Assistant Director (Grade. I) (Economic Investigation)/(Production Index) on ad-hoc basis in the same office with effect from 24th August, 1979 (F. N.), until further orders.

No. A-19018/81/73-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri G. S. Uppal, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (EI/PI) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 3rd September, 1979 until further orders.

No. A-19018/99/73-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri K. R. Pandit, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, as Asstt. Director, (Gr. I) (EI/PI) on ad-hoc, basis in the same office with effect from the 3rd September, 1979 (F.N.).

M. P. GUPTA,
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 22nd September 1979

No. 5992B-12025 (II-PO)/78-19A.—Shri Promode Ranjan Choudhury, Supdt. (Pub) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Publication Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14th August, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY,
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 20th September 1979

No. A. 19012(115)/79-Estt. A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Dr. J. C. Agrawal, officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 3rd September, 1979 (forenoon) until further orders.

S. BALAGOPAL,
Head of Office

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 11th September 1979

No. 12(259)/61-Admn.(G).—Consequent upon his deputation as Expert in Appropriate Technology under U.N.D.P. in Ethiopia for a period of one year, Shri K. R. Shetty, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the afternoon of 17th August, 1979.

The 13th September 1979

No. A-19018 (398)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Kahan Singh as Assistant Director (Gr. I) (Mechanical) at the Branch Small Industries Service Institute, Agartala, with effect from the forenoon of 8th August, 1979, until further orders.
14—276GI/79

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY
BOTANICAL SURVEY OF INDIA
OFFICE OF THE DIRECTOR

Howrah-711109, the 17th September 1979

No. BSI-66/120/79-Estt.—On recommendation of the UPSC, the Director, Botanical Survey of India is pleased to

appoint Dr. Krishna Kumar Khanna to the post of Botanist, Hqrs, Botanical Survey of India (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus usual allowances as admissible under rules with effect from the forenoon of 31st August, 1979 until further orders.

B. N. SENGUPTA
Sr. Administrative Officer

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(STORE I SECTION)**

New Delhi, the 17th September 1979

No. A.38013/1/79-SI.—On attaining the age of Superannuation S/Shri O. P. Mathai and J. R. Nabar, Assistant Depot Manager at Government Medical Store Depot, Bombay retired from Service on the afternoon of 31st August, 1979.

The 22nd September 1979

No. A.19011/6/78-SI.—On attaining the age of Superannuation Shri D. S. Desikan, Deputy Assistant Director General (MS), Government Medical Store Depot, Madras retired from service on the afternoon of 31st August, 1979.

P. K. GHAI,
Officer on Special Duty (Stores)

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
VISTAR NIDESHALAYA**

New Delhi, the 20th September 1979

No. F.2-1/79-Estt.(I).—The ad-hoc appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended w.e.f. 1-9-1979 to 31-10-1979.

B. N. CHADHA,
Director Administration

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 19th September 1979

No. A.19023/60/78-A.III.—Consequent on his promotion to the post of Deputy Senior Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis, Shri R. C. Banerjee handed over charge of the post of Marketing Officer at Calcutta in the afternoon of 31-8-79.

The 22nd September 1979

No. A.19023/41/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri C. V. Neelagreevam, Marketing Officer (Group III), is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Hyderabad w.e.f. the afternoon of 16-8-1979, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer (Group I) Shri Neelagreevam relinquished charge of the post of Marketing Officer (Group III) at Hyderabad in the afternoon of 16-8-79.

No. A.19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st October, 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :

S/Shri

1. R. S. Singh
2. B. N. K. Sinha
3. A. N. Rao
4. R. V. S. Yadav
5. M. P. Singh

S/Shri

6. H. N. Rai
7. D. N. Rao
8. S. P. Shinde
9. R. C. Munshi
10. K. K. Tiwari
11. S. K. Mallik
12. S. D. Kathalkar
13. R. K. Pande
14. M. J. Mohan Rao
15. K. K. Sirohi
16. Smt. Ansuya Sivarajan
17. V. E. Edwin
18. S. P. Saxena
19. N. G. Shukla
20. R. C. Singhal
21. H. N. Shukla
22. K. G. Wagh
23. S. Suryanarayana Murthy
24. V. L. Vairaghar
25. S. R. Shukla
26. M. C. Bajaj
27. N. S. Chelapati Rao
28. K. Jayanandan
29. C. M. Girdhar
30. S. A. Shamsi
31. S. S. R. Sarma.

The 24th September 1979

No. A-19024/2/79-A. III.—The short term appointment of the following officers to the posts of Chief Chemist has been further extended upto 31st Dec. 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri Chandra Prakasa
2. Shri A. A. S. Prakasa Rao
3. Shri N. Kasi Rao.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION**

Bombay-400085, 24th July 1979

No. V-32/Accts/Estt. II/2891.—Consequent on his transfer to Directorate of Purchase and Stores as Assistant Accounts Officer, Shri Vasant Balwant Vyapari, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Office relinquished charge of the post of Asstt. Accounts Officer in this Research Centre on the forenoon of June 11, 1979.

The 31st July 1979

Ref. No. 5/1/79-Estt. II 3014—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Accounts Officers for period shown against their names :

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri F. D'Souza Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	4-3-79 (FN)	11-7-79 (AN)
2.	Smt. S. P. Mukherjee Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	1-2-79 (FN)	11-7-79 (AN)

The 2nd August 1979

No. 5/1/79-Estt. II/3043.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Admn. Officer II/Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names:—

Sl. No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From (FN)	To (AN)
1.	Shri D.P. Kulkarni A.P.O.	Admn. Officer II	28-5-79	2-7-79
2.	Shri C.A. Deshmukh Assistant	Asstt. Personnel Officer	28-5-79	2-7-79
3.	Shri S. G. Sapaliga Assistant	Do.	26-3-79	5-5-79
4.	Shri N. K. Surve Assistant	Do.	9-5-79	30-6-79
5.	Shri U.R. Menon Assistant	Do.	7-6-79	7-7-79
6.	Shri J. A. Lasne Assistant	Do.	11-6-79	13-7-79
7.	Shri M.R. Khatu S.G.C.	Do.	30-4-79	8-6-79

The 20th August 1979

No. 5/1/79-Estt. II/3221.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer-II/Asstt. Accounts Officer for the period shown against their names:—

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri K. J. George Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer-II	14-5-79 (AN)	16-6-79 (AN)
2.	Shri R.B. Pillai Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	14-5-79 (FN)	16-6-79 (AN)

Kum. H. B. VIJAYAK A
Dy. Establishment Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 19th September 1979

No. RAPP/Rcctt./3(2)/79/S/444.—The Chief Project Engineer Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Non-gazetted technical staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders:—

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed	Date on which assumed charge
1	2	3	4
1.	Shri Kishan Chander Taneja, Foreman	Scientific Officer/Engineer Grade SB	1-2-79
2.	Shri Kulwant Singh, Foreman	Do.	1-2-79
3.	Shri Mohammed Shareef, Foreman	Do.	1-2-79
4.	Shri Prakash Chand Vaishya, Foreman	Do.	1-2-79
5.	Shri Sukh Sagar Shukal, SA 'C'	Do.	1-2-79
6.	Shri Durgesh Chandra Sharma SA 'C'	Do.	1-2-79

1	2	3	4
7.	Shri Shrikant Lakshman Kashikar, SA 'C'	Scientific Officer/Engineer Grade SB	1-2-79
8.	Shri Ramesh Kumar Sharma, Foreman	Do.	1-2-79
9.	Shri Hari Prakash Gupta, SA 'C'	Do.	1-2-79
10.	Shri Lekh Raj Ola, SA 'C'	Do.	1-2-79
11.	Shri Suresh Pandherjnath Malekar SA 'C'	Do.	1-2-79
12.	Shri Om Prakash Mehta, D/Man 'C'	Do.	1-2-79
13.	Shri Bishan Dayal Chobey, D/Man 'C'	Do.	1-2-79

GOPAL SINGH
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 17th September 1979

No. AMD-113/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ajai Kumar Srivastava as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th August, 1979, until further orders.

The 19th September 1979

No. AMD-1/6/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mukund Singh, Permanent Assistant and Assistant Personnel Officer (Ad-hoc) of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-9-1979 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401504. the 18th September 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his reporting from the Office of the Accountant General, Rajasthan, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Khandekar, Section Officer in the Office of Accountant General, Rajasthan, as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Tarapur Atomic Power Station on deputation basis for a period of two years with effect from 27-8-1979 (FN).

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE
INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SHAR CENTRE

Sriharikota-524124, the 27th July 1979

No. SCF/P&GA/Estt./1/72.—Director, SHAR CENTRE has accepted the resignation tendered by Shri C. Thomas, Engineer-SB with effect from 13-2-1979.

R. GOPALARATNAM
Head, P&GA Divn.
for Director.

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 1st August 1979

No. EST/ISCES/22.—The Director is pleased to appoint Shri K. D. Acharya as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of June 7, 1979 for a period upto June 30, 1980.

No. EST/ISCES/23.—The Director is pleased to appoint Shri Virendrakumar C. Jain as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of June 15, 1979 for a period upto June 30, 1980.

The 2nd August 1979

No. SAC/EST/ISCES/18/79.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri Sudhir Dattatray Erande, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of July 27, 1979.

S. G. NAIR
Head, Personnel & General Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th September 1979

No. A-32014/3/79-EA.—The Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following officers, as Asstt. Aerodrome Officer on regular basis with effect from the 1st September, 1979, in an officiating capacity and until further orders :—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri H. S. Sandhu	Amritsar
2.	Shri K. C. Jharia	Jabalpur
3.	Shri H.D. Ghosal	Belgaum
4.	Shri V.S.R. Rao	Vijaywada
5.	Shri P. K. Das	Patna
6.	Shri P. Raghvan	Madras
7.	Shri L.C. Chandwani	Juhu (Bombay)
8.	Shri P. K. Dey	Nagpur
9.	Shri K. R. Pandulai	Trivandrum
10.	Shri Gopal Singh	Amritsar
11.	Shri M.R. Naidu	Nagpur
12.	Shri M. K. Roy Chowdhury	Dum Dum
13.	Shri A.C. Sarkar	Dum Dum
14.	Shri S. D. Sinha	Dum Dum
15.	Shri J. R. Soni	Varanasi
16.	Shri P. N. Dhar	Palam
17.	Shri S.R. Das Sharma	Dum Dum
18.	Shri R.D. Bajpai	Dum Dum
19.	Shri J. L. Kapoor	Palam
20.	Shri M.G. Thorat	Nagpur
21.	Shri Prem Kumar	Palam
22.	Shri M. Gopal	Madras
23.	Shri G.C. Pato	Santacruz.
24.	Shri Y. L. Soni	Jaipur

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 18th September 1979

No. A. 32013/1/79-EC.—In continuation of this Deptt Notification No. A. 32013/7/78-EC, dated 26-4-79 and

No. A. 32013/7/78-EC dated 22-6-79, the President is pleased to appoint the following four Technical officers at present working as Senior Technical Officer on ad-hoc basis to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from the 3rd September, 1979 and to post them to the station indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri Vijay Panwar	ACS, Palam
2.	Shri K. K. Narayan	ACS, Calcutta
3.	Shri A. K. Bansal	Radio Constr. & Dev. Units New Delhi
4.	Shri K. P. B. Nair	Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi

2. These Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Sr. Comm. Officer for higher promotion according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of Sr. Tech. Officer/Sr. Comm. Officer and subject to condition that in the case of officers appointed in the Civil Aviation Deptt. on the basis of the Engineering Services Examination their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Tech. Officer/Comm. Officer will also be maintained.

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking-over charge
1.	Shri A. P. Sadanand	A.C.S. Muzaffarpur	A.C.S., Calcutta	27-7-79 (FN)
2.	Shri R.S. Sokhey	ACS, Charkhidadri	ACS, New Delhi	30-7-79 (FN)

The 20th September 1979

No. A.32012/3/78-ES.—Shri R. Sreenivasan, Administrative Officer (ad-hoc), Group 'B' post, in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras relinquished the charge of his duties on the afternoon of 31st July, 1979 on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A.32012/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. O. Varghese, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B' post) with effect from the forenoon of 1st August, 1979, on ad-hoc basis in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras.

S. N. MOTWANI
Officer on Special Duty

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th September 1979

No. 1/98/79-Est.—Shri G. S. Chhatwal, who has appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity in New Delhi Branch on ad-hoc basis, with effect from the 2nd July, 1977, has been reverted to his original post of Technical Assistant in the same Branch, with effect from the afternoon of the 7th April, 1979.

No. 1/257/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'Lima, Supervisor, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in the same Branch, in an officiating capacity, on ad-hoc basis,

for the period from 18-6-1979 to 5-7-1979 (both days inclusive).

H. L. MALHOTRA
Dy. Director (Admn.)
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 20th September 1979

No. 16/113/67-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, has been pleased to permit Shri T. R. Soma Sunderam, Research Officer, Forest Research Centre, Coimbatore to retire from Govt. service w.e.f. 31-3-79 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 22nd September 1979

No. 16/69/66-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, has been pleased to permit Shri S. P. Misra, Librarian, Forest Research Institute & Colleges to retire from Govt. service w.e.f. 31-8-79 (A.N.) on attaining the age of Superannuation.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 21st September 1979

No. II(7)2-ET/79/12194.—Sri S. R. Bhattacharjee, officiating Assistant Collector of Central Excise & Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-8-1979 (A.N.).

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 19th September 1979

No. 27-E/M(5)/69-EC.II(Vol.II).—Shri Mahendra Sharma, Executive Engineer (Civil), who has been working as Surveyor of Works III/II in the Office of the Superintending Surveyor of Works (N.2.), C.P.W.D., R.K. Puram, New Delhi, has retired voluntarily from Government service under the provision of F.R. 56 (K) with effect from 31-8-1979 (A.N.).

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Director-General (Works)

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta, the 3rd September 1979

No. G-65/B(HINDI).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta is pleased to appoint on the recommenda-

tion of the Union Public Service Commission Shri Syed Mahfooz Hasan Rizvi as Hindi Officer in the National Test House, Alipore, Calcutta w.e.f. the forenoon of 21-8-1979 until further orders.

K. C. SEAL
Dy. Director (C)(I)
for Director, National Test House

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY
LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ramano Tourways Private Limited

Delhi, the 18th September 1979

No. 5190/15956.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ramano Tourways Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

G. B. SAXENA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi and Haryana

Bombay, the 6th September 1979

No. 2844/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Malabar Steamship Company Limited has been ordered to be wound up by an order dated 31-7-1979 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

(Sd./-) ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Allahabad, the 21st September 1979

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 55.—Shri Ram Naresh (SC), Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Sultanpur has been promoted to officiate as Income-tax Officer (GR.B) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Sitapur on 17-7-1979 in the afternoon.

SHEIKH ABDULLAH,
Commissioner of Income-tax, Allahabad.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 11th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Jan.I(54)/78-79/951.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA**being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.****Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-1-1979****for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. S. Mohinder Singh,
M/s Nanak Singh & Sons
through its partners.
2. Sh. Charanjit Singh,
3. Sh. Manjit Singh,
r/o 19/11, Kalkaji, N. Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Prithi Lal Bhasin,
2. Shri Pokh Raj sons of
Shri Nanak Chand
3. Shri Ashok Kumar
4. Sh. Suresh Kumar
Ss/o Shri Dargai Dass
all r/o 54/2, East Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas 19 biswas situated in Village Jonapur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 12-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/971/Jan.II(17)/78-79.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Agricultural land situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-1-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Lakhmi Chand
S/o Shri Jugti
2. Shri Charan Singh
3. Bharat Singh
4. Shri Sardar Singh
Ss/o Shri Neki
r/o Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Dugal Engineering Co.
192, Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118 Bighas 17 Biswas situated at village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/987/Jan.II(33)/78-79.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Ashok Diesh,
S/o Dr. Parshotam Diesh
R/o W-137, G.K.-I, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Prem Kaur W/o Shri Jawahar Singh
C/o Wadha Trading Co.,
41, Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 22 bighas 7 biswas situated in village Gadaipur, N. Delhi, more specifically described in the instrument of transfer registered on 27-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 11th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/963/Jan-II(9)/79-79.—

MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 93 Block C situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

15—276GT/79

- (1) Air Marshal Shri B. S. S. Bedi (Retd.)
S/o Late Sh. B. M. R. Bedi
R/o 13, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Jugmohan Bahl
s/o Late Shri K. L. Bahl
r/o A-2, Jangpura Extn., N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building on plot No. C-93 Defence colony, New Delhi measuring 401 sq. yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 19-1-79 bounded as under :—

North : Road
South : Service lane
East : Side Road
West : House No. C-94.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date : 11-9-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI**

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/993/Jan.III(397)/78-79.—
MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. S-160 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash
s/o Shri Bhola Nath
r/o R-47, Greater Kailash-I, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Uttam Kaur
w/o Shri Dalip Singh,
r/o E306, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-160 measuring 306 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 30-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALJ ROAD,
NEW DELHI 110001

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/960/Jan.II(67)/78-79.—

MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-567 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Fulendra Kumari Debi
r/o P.O. Deograh, Distt.
Sambalpur, Orissa, Now staying at
3, South Avenue, N. Delhi-I.

(Transferor)

- (2) Sh. Paras Nath Tiwari
r/o D-389, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-567 measuring 325 sq. yds. situated in Defence Colony, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 19-1-1979 bounded as under :

North : Service lane
East : Plot No. 566
South : Road
West : Plot No. 568.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date : 12-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANG-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI 110001

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/964/Jan-II(10)/78-79.—
MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.Plot No. E-368 situated at Greater Kailash-II,
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 19-1-1979for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) Smt. Sumitra Ghulati
w/o Late Sh. H. C. Ghulati,
through her attorney,
Smt. Sarla Ghulati
w/o late Sh. M. C. Ghulati
r/o 4/24, W.E.A. Karol Bagh, N. Delhi.
(Transferor)(2) 1. Sh. Ved Parkash Mehta
s/o Shri Hari Chand Mehta
2. Smt. Sharda Mehta,
w/o Sh. Ved Parkash Mehta
r/o K-102, Kalkaji N. Delhi
(Transferee)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-368 measuring 249 sq. yds. situated in Greater
Kailash-II, New Delhi more specifically described in the
instrument of transfer registered on 19-1-79 bounded as
under :East : Plot No. E/366
North : Road
West : Plot No. E/70
South : S. Lane.MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New DelhiDate : 12-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC\ACQ-1\I\SR-III\1-79\920.—Whereas, I,
MISS ANJANI OZAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo 27-B, situated at Mayfair Gardens Hauz Khas
Enclave Panch Sheil Marg, New Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 2-1-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

- (1) Mrs. Savitri Idnani
W/o Shri M. B. Idnani
R/o 24, Sharda Apartments,
A Road, Church Gate, Bombay-400 002.
(Transferor)

- (2) 1. Legal Heirs of Late Shri Raj Pal
2. Shrimati Santosh Kumari Rajpal
R/o 2/34 Jangpura Extension,
New Delhi-110014.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A one and half storeyed building standing on a lease-hold
plot No. 27-B, Mayfair Gardens Hauz Khas Enclave Punch
Sheil Marg, New Delhi measuring 619.44 sqr. Yards, bound-
ed as under:

North : House No. R-26
South : State Bank Staff Quarters.
East : Main Road
West : Service Road.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi-11000-, the 21st September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/980/Jan-79/78-79.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-534 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. S. Jamwal Chief Pilot Instructor,
Delhi Flying Club Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt Lila Malhotra and
Shri Ansheel Malhotra
R/o S-534, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two and half storeyed building known as S-534 Greater Kailash-I, New Delhi built on plot measuring 499 Sq. yds., more specifically described in the instrument of transfer registered on 29-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-9-1979

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 21st September 1979

Ref No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/976.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 15(Shop) situated at Cinema Complex Building Greater
Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 30-1-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—

- (1) D.L.F. United Limited, 21-22
Narindra place, Parliament Street,
New Delhi-110001.

(Transferor)

- (2) Smt. Agya Rani
W/o Shri Het Ram Gauri
R/o F/13, Municipal Double Storey Market,
Lodhi Colony, New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice on
the respective persons, whichever period expired
later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA. of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop No. 15 (Ground Floor) measuring 231 Sq. Fts.
situated in Cinema Complex Building Greater Kailash-II,
New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 21-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-/1111-79/970.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-6, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 29-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Om Prakash Sobti
S/o Late Dr. Amolak Ram Sobti,
R/o 1198, Sector 18-C, Chandigarh.
(Transferor)(2) Shri Gyan Chand Dhandia
S/o Shri Amar Chand Dhandia and
2. Shrimati Manju Kumari Dhandia
W/o Shri Gyan Chand Dhandia
both resident of 68/6, Tolstoy Marg,
New Delhi-I.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house No. C-6, Greater Kailash-I, New Delhi measuring 560 sqr. Yards. More specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-1979 and bounded as under :

East : Plot No. C-8
West : Plot No. C-4
North : Service Lane
South : Main Road,MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.Date : 20-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) DLF United Limited, 21-22,
Narindra place Parliament Street,
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/992.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 106 (1st Floor) situated at Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—276GI/79

- (2) 1. Shri Hazara Singh
S/o Shri Ishar Singh
2. Shri Harcharan Singh
S/o Shri Hazara Singh
3. Shri Amrik Singh
S/o Shri Hazara Singh
R/o D-4, Westend, New Delhi-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 at 1st Floor measuring 1062 Sq. Fts. Cinema Complex Building, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1979
Seal :

FORM 113

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 21st September, 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/28.—Whereas, I,

MISS ANJANI OZA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 225 situated at Jor Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property has exceeded the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

AND IN VIEW THEREOF

(Competent Authority)

I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Nath Kapur

R/o C-104, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

JMO/ACQ-I/50 (1969) NOTIFIED UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(2) The, JIV, Rakesh Vidyapith, R/o 23, Rajniwas Marg, Delhi-54.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXIV of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property has exceeded the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

with the object of facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

THE SCHEDULE

A two and half storeyed house No. 225 Jorbagh, New Delhi measuring 662.5 Sq. Yds., more specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 21-9-1979
Signature

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1979

Whereas the Commission of Enquiry under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140/140B/SHAHJI-79/919, situated at Village Nebsarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Roger Overseas (P) Ltd.,
109, Ansal Bhawan,
16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Sudha Jajodia
W/o Shri Mahendra Kumar Jajodia,
B-62 Paschim Marg,
Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice to the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 7 Bighas 18 Biswas situated in Village Nebsarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 1-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 22-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 22nd September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/956.—

Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 216 situated at Vinobha Puri, Lajpat Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Tharu Ram
S/o Shri Behari Lal
R/o 198 Vinobha Puri Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jagdish Chand
S/o Shri Sardari Lal
2. Shri Banta Singh
S/o Shri Rattan Singh
R/o 216, Vinobha Puri, Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot No. 216, Vinobha Puri, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 400 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 18-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 22-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/975.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-7, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. I. P. Datta
S/o Shri P. Datta
R/o D.L.F. Khera Farm Carterpuri,
Distt. Gurgaon (Haryana).

(Transferor)

R/o F-7, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor in two and half storeyed building known as F-7, Green Park, New Delhi built on plot measuring 311 Sq. yds., more specifically described in the instrument of transfer registered on 27-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-9-1979

Seal :

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX.

NEW DELHI

New Delhi-110001, the 21st September 1979.

Ref. No. IAC/ACO-I/SR-III/1-79-982.--

Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-239 situated at Greater Kailash-II New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) ~~has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30.1.1979~~ (hereinafter called "the said instrument") for an apparent consideration which is ~~less than~~ less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri. Madhu Aggarwal
W/o Shri Sudarshan Aggarwal
R/o M-16 Green Park Extension,
New Delhi.

(2) Shri Satya Pal Kohli
S/o Late Dr. Narain Dass Kohli
R/o A-117, Defence Colony, New Delhi.

2014000 16412522 0010 19000 001 (Transferce)

POSITION OF PROVERB

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned 2-11-1972.

- (a) by any of the said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires last;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee in any way under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

THE SCHEDULE

A two storeyed Building known as M-239, Greater Kailash-II, New Delhi built on plot measuring 400 sq. yds. more specifically described in the leasehold of transfer registered on 03.03.1970 and is being used as a residence of the following persons:-

MISS ANJANI OZA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,

Date : 21-9-1979
Seal :

Date: 22-9-1979
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/190/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 415.55 sq. yards situated in New Lajpat Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana bearing Plot No. 120 situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Mangat Ram, Darshan Kumar & Om Parkash
s/o Shri Durga Dass
R/o Village Mansuran, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Satish Soi s/o Shri Sham Lal,
R/o B-VII-635, Pindi Street, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 415.55 sq. yds. situated in New Lajpat Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana bearing No. 120.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4017 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Rs. No. LDH/R/107/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop-cum-Godown property over a plot measuring 177.7/9 sq. yds. bearing No. 71, New Grain Market, Mullanpur situated at Mullanpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17—276GI/79

(1) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Lachhman Singh c/o M/s. Seikhon Cold Storage, Adda Mullanpur Dakha, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi w/o Shri Nauhria Mal c/o M/s Raghbir Parshad Subhash Chand, Fertilizer Dealers, Mullanpur Mandi, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

(3) Shri Nauhria Mal c/o M/s Raghbir Parshad Subhash Chand, Mullanpur Mandi.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-Godown property No. 71, Grain Market, Mandi Mullanpur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5627 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/R/108/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 100 sq. yds. bearing No. 71, Grain Market, Mullanpur situated at Mullanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Lachhman Singh c/o M/s. Seikhon Cold Storage, Adda Mullanpur Dakha, Distt. Ludhiana.
(Transferor)

(2) Mrs. Reshma Devi w/o Shri Mata Ram c/o M/s. Raghbir Parshad Subhash Chand, Fertilizer Dealer, Mandi Mullanpur, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 100 sq. yds. bearing No. 71, Grain Market, Mullanpur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5628 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/R/115/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Plot No. 3-K, Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 800 sq. yards situated at Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amrik Singh s/o Shri Puran Singh,
R/o Sunet, Teh. Ludhiana, (Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh s/o Shri Rakha Singh,
R/o 601, Ferozepur Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, **within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3-K, Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 800 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5897 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. KNN/55/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 15 karnals 2 marlas situated at Village Rahaun, Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Gian Singh,
Shri Harbans Singh and
Shri Santosh Singh s/o Shri Bela Singh,
r/o Rahaun, near Khanna.

(Transferors)

(2) Shri Baljit Singh s/o Shri Amar Singh,
Old Cinema Road, Khanna, Teh. Samrala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanals 2 marlas, situated in Village Rahaun, Teh. Samrala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1654 of January, 1979 of the Registering Officer, Khanna.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/193/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot of land measuring 764 sq. yds. situated in Taraf Sekhewal, Ludhiana-Khasra No. 1221/279. situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sakandra Rani Jain w/i Shri Siri Pal Jain, II. No. 121, Ghati Gujran near Division No. 4, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s. Pasrur Jain Duggar Bradari through Shri Madan Mohan Stetel, President of the Society, Katra Nauhrian, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 764 sq. yds situated in Taraf Sekhewal on G.T. Road, Bye-pass, Ludhiana bearing Khasra No. 1221/279.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4020 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt Sakandra Rani Jain w/o Shri Siri Pal Jain,
H. No. 121, Ghati Gujran near Division No. 4,
Ludhiana.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/192/78-79.—Whereas, I. R. K.

MALHOTRA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Double storeyed incomplete building situated in Taraf
Sekhewal on G.T. Road, Bye Pass opposite to Road connect-
ing G.T. Road, Ludhiana bearing Kh. No. 1221/279 situated
at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (2) M/s. Pasrur Jain Duggar Baradari through
Shri Madan Mohan Steetal, President of the Society,
Katra Nauhrian, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated in Taraf Sekhewal on G.T. Road,
Bye Pass Ludhiana bearing Khasra No. 1221/279.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.
4019 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Shri Darbara Singh s/o Shri Puran Singh,
Village Plassi Teh. Anandpur Sahib.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. APS/8/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 118 kanals 4 marlas situated at Village Bela Ramgarh, Teh. Anandpur Sahib (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anandpur Sahib in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Gurdev Singh s/o Shri Harbhajan Singh,
Shri Jagtar Singh and Shri Avtar Singh ss/o Shri Harbans Singh
r/o Village Bela Ramgarh, Teh. Anandpur Sahib.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 118 kanals 4 marlas situated in Village Bela Ramgarh, Teh. Anandpur Sahib.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1702 of January, 1979 of the Registering Officer, Anandpur Sahib).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Avtar Singh s/o Shri Sohan Singh,
r/o E-37, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(Mrs. (Dr.) Amarjit Kaur w/o Shri Jagmohan Singh,
B-XX/838, Krishna Nagar, Ferozepur Road,
Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. LDH/173/78-79.—Whereas, J. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. B-XX/838, Krishna Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana constructed over a plot measuring 330 sq. yards situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. B-XX/838, Krishna Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana, constructed over a plot measuring 330 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3790 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/207/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 3097 sq. yards situated in Sarabha Nagar, Ludhiana bearing No. 19-C situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18--276GI/79

(1) Smt. Gurcharan Kaur d/o Shri Kehar Singh, Shri Gurmail Singh, Shri Gurdev Singh sons of Shri Kehar Singh, r/o 21-Fort Street, Varley West Mid-Land England, at present Village Barsal, Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferors)

(2) (1) Shri Vijay Kumar, Shri Ashish Kumar and Shri Ashok Kumar Munjal s/o Shri Daya Nand,
(2) Smt. Rekha Munjal w/o Shri Vijay Kumar Munjal,
(3) Smt. Shobana Munjal w/o Shri Ashish Kumar,
(4) Smt. Neelam Munjal w/o Shri Ashok Kumar all r/o 21-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3097 sq. yards bearing No. 19-C Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4065 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Sujjan Singh,
177-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Gian Singh,
69, Teacher Colony, Shashtri Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/208/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. B-XVI-185/8 situated on Link Road, Gill Chowk, Ludhiana constructed over a plot measuring 77½ sq. yards situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B-XVI/185/8, Link Road, Bill Chowk, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4074 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/203/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land measuring 3 kanals 6 marlas situated at Giaspura, Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Sucha Singh s/o Shri Rulia and Ind Kaur d/o Shri Rulia, r/o Giaspura, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) M/s P.S. & Sons, G. T. Road, Ludhiana through S/Shri Pritam Singh, Harbans Singh, Gurcharan Singh, Balwant Singh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 6 marlas situated in Giaspura, Ludhiana Tehsil.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4054 of January, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/255/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kothi No. 99-L situated at Model Town, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Suhagwanti w/o Shri Ram Rakha Sharma,
r/o Kothi No. 99-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Kailash Rani w/o Shri Om Parkash,
r/o 93-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 99-L, measuring 584.7/9 sq. yds. situated in Model Town, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4409, February, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. PTA/297/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Residential House at Bandugar, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hari Singh s/o Jiwan Ram,
r/o Bandugar, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand,
r/o Bandugar Road,
(adjacent to house of Ram Lok)
Patiala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House at Bandugar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6070 of March, 1979 of the Registering Authority; Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/9/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 19 Biswa (935 sq. yds.) situated in Bandugar Teh. Patiala situated at Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in April, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Nath Seth s/o Sohan Lal General Attorney of Shri Vinod Kumar s/o Shri Modan Lal and Ashok Kumar s/o Shri Madan Lal, r/o Chikas Hotel, New Patiala,

(Transferor)

- (2) Shri Narinder Singh s/o Jagir Singh, r/o Tohra, Teh. Nabha Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 biswas (935 Sq. yds.) Situated in Bandugar Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 192 of April, 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal, Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/215/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and measuring 2 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala, situated at Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Lal Inder Singh s/o Shri Sukhinder Singh, 27-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5118 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. DS/55/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land measuring 51 kanals 8 marlas situated at Village Mashigaon Sub-Teh. Dudhan Sudhan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manohar Singh s/o Shri Ram Singh, r/o 1012/3 Khalsa Mohalla, Patiala, G. A. of Shri S. Maya Singh s/o S. Gurdit Singh, Smt. Parmeshwari Kaur w/o Late Shri Hira Singh and Virinder Singh, Narinder Singh, Kulbir Singh, Gurdit Singh ss/o Shri Late Hira Singh r/o Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Singh s/o Tulsu Singh, r/o Atam Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

- (4) M/s. Rulda Ram Nanak Chand, V. Mashigaon, Sub-Teh. Dudhan Sudhan Distt. Patiala. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 51 kanals 8 marlas situated in Mashigaon Teh. Dudhan Sudhan.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 719 of January, 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan Distt. Patiala.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/265/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1½ storeyed house No. 1243, Sector 19-B, Chandigarh constructed over a plot measuring 175 sq. yds. situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—276GI/79

- (1) Shri J. L. Nanda s/o Shri Diwan Chand Nanda, r/o H. No. 1191, Sector 18-C, Chandigarh (Manager, New Bank of India, Sector 17, Chandigarh). (Transferor)
- (2) Dr. H. C. Gupta s/o Shri R. C. Gupta, Mrs. Sudesh Gupta w/o Shri H. C. Gupta, both r/o 188, Sector 16-A, Chandigarh. (Transferee)
- (3) (1) Shri Narinder Kumar Goyal s/o Lt. Shri Sita Ram r/o 259-Industrial Area, Chandigarh.
- (2) Dr. Sarita Malhotra w/o Shri Anil Malhotra, 1st Floor, H. No. 1243, Sector 19-B, Chandigarh. [Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1243, Sector 19-B, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registered deed No. 808 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. PTA/230/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 5 kanals 6 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurinder Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferors)

(2) Smt. Jagbir Kaur, Dalbir Kaur ds/o Shri Gurcharan Singh, r/o Kothi No. 133, Punjabi Bagh, Bhupindra Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanals 6 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala,

The property as mentioned in the Registered deed No. 5343 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal,
Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Harjit Singh s/o Shri Manjit Singh of Sunam,
c/o Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal,
Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. PTA/259/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 5614 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/279/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Built up booth No. 11, Sector 27-D, Chandigarh over a plot measuring 24.97 sq. yards situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Kundan Lal s/o Shri Sukh Dayal,
r/o H. No. 3592, Sector 37-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Narwant Singh Bagga s/o Shri Santosh Singh, Bagga and Amarjit Singh Bagga s/o Shri Narwant Singh Bagga, r/o H. No. 3095, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Dr. B. S. Nanda,
Booth No. 11, Sector 27-D, Chandigarh.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 11, Sector 27-D, Chandigarh built over a plot measuring 24.97 sq. yards.

The property as mentioned in the Registered deed No. 908 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/277/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 608, measuring 1014 sq. yards situated at Sector 36-B, Chandigarh, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh Lauly s/o Shri Gurdit Singh, c/o The Indian Plywood Manufacturing Co.; Dandeli, North Canara (Karnataka) through his attorney Shri Baldev Singh Nagra s/o Shri Harbans Singh Nagra, r/o H. No. 14/3, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harminder Singh Bala s/o Shri Gursaran Singh Bala, r/o H. No. 453/35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 608, Sector 36-B, Chandigarh measuring 1014 sq. yards.

The property as mentioned in the Registered deed No. 902 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/282/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 50, measuring 500.5 sq. yards situated at Street C, Sector 28-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January/February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. L. Khanna s/o Shri I. D. Khanna through General Attorney, Shri S. K. Kapoor s/o Shri Amolak Ram Kapoor of Housing Board—Haryana, Kothi No. 64, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Harbir Singh Chadha s/o Shri Harnam Singh Chadha, Chadha Agricultural Farm, Village Behlana, P.O. Chandigarh U.T. at present r/o 3068, Sector 28-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 50, Street C, Sector 28-D Chandigarh measuring 500.5 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 917 of January/February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/276/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property No. 5170/5-B, situated at Sewak Colony, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jatinder Singh s/o Jagjit Singh,
Through G.A. Shri Jagbinder Singh
S/o Jagjit Singh
R/o N-149, Sector 8, R.K. Puram,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lekh Raj Bashamboo s/o Sh. Billa Mal,
R/o H. No. 113, Sewak Colony near State College
of Education, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 5170/5-B, Sewak Colony, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5757 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Janeshwar Kumar s/o Shri Amir Chand,
R/o Anaj Mandi, Nabha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bimla Devi w/o Shri Hari Kishan,
s/o Shri Channa Ram,
C/o M/s. Ruldu Ram Jagan Nath,
Grain Market, Nabha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

Ref. No NBA/114/78-79.—Whereas I, R. K.
MALHOTRA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot measuring 177.78 sq. yards situated in New Anaj Mandi
situated at Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Nabha in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plot measuring 177.78 sq. yards situated at New Anaj
Mandi, Nabha.
(The property as mentioned in the Registered Deed No.
2593 of February, 1979 of the Registering Officer,
Nabha).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 11th Sep 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PAT/214/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—276GI/79

(1) Shri Gurinder Singh Grewal
S/o Shri Hardev Singh Grewal,
R/o Birbrian Road, Lahori Gate,
Patiala

(Transferor)

(2) Shri Jai Parshad s/o Shri Ram Sarup,
R/o 27-D, Model Town,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5117 of January 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/211/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land measuring 3 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hardev Singh Grewal
S/o Shri Harcharan Singh Grewal,
R/o Bibrian Road, Patiala (Lahore Gate).
(Transferor)

- (2) Shri Jagdish Kumar S/o Shri Sham Lal,
R/o Bahera Road Patiala.
Shri Prem Chand s/o Shri Nand Lal
R/o Bhindian Street, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5034 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. SOL/21/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 418 Sq. mts. situated at Jawahar Park, Solan (H.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Solan in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dewaru Ram s/o Shri Jharkhu Ram,
R/o Solan, Teh. & Distt. Solan (H.P.)
(Transferor)
- (2) Shri Sudipto Mukherjee S/o Shri P. N. Mukherjee,
R/o 168, Sector 8, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 418 Sq. mts. situated in Jawahar Park, Solan (H.P.) (Khewat Khatuni No. I/I Min. Khasra No. 574).

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 68 of March, 1979 of the Registering Authority, Solan).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. SRD/195/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 5 kanal 5 marlas situated at Village Brahman Majra, Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirhind in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kavarjit Singh alias Kawaljit Singh
S/o Shri Harkirat Singh
of Village Kotla Bhaika Teh. Sirhind.
(Transferor)
- (2) M/s. Guru Teg Bahadur Cold Store & Ice Factory
Brahman Majra P.O. Sirhind Teh. Sirhind.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals 5 Marlas situated in Village Brahman Majra Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3172 of January, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/203/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh, Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala. (Transferor)
- (2) Smt Sujlita Kaur w/o Shri Dhanwant Singh and Smt. Abhinash Sethi w/o Harmohan Singh Sethi, R/o Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4921 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/213/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6 kanals 10 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Harbans Kaur w/o Shri Hardev Singh,
R/o Lahore Gate, Bibrian Street,
Patiala.

(Transferor)

- (2) Shri Manmohan Singh Bhalla
s/o Prem Singh of Patiala,
Smt. Satnam Kaur
w/o Shri Tirath Singh of Chandigarh,
C/o Smt. Harbans Kaur
w/o Sh. Hardev Singh Grewal
Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 6 kanals 10 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5116 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. RAJ/24/78-79.—Whereas, I, R. K.

MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two Godowns at Town Ship, Ghandi Colony, situated at Rajpura, Town No. 2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Santosh Rani w/o Shri Sukhdev Raj Kochar
R/o Sham Nagar Rajpura.
(Transferor)
- (2) Smt. Kirpal Kaur w/o Sh Kartar Singh
S/o Sahib Singh
R/o Gopalpur Teh. Rajpura.
- (3) M/s. The Punjab State Coop. Supply & Marketing Federation Ltd; Markfed Branch Office
Rajpura Distt. Patiala.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Godowns at Town Ship, Ghandhi Colony, Rajpura Town No. 2.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3122 of January, 1979 of the Registering Officer, Rajpura.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. RAJ/21/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 25 bighas 4 biswas situated at Ajraur teh. Rajpura Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajpura in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mehtab Singh s/o Kartar Singh
R/o F1/21, Model Town, Delhi,
Mukhtare-e-aam Smt. Ram Ditti
Wd/o Sant Singh
R/o Village Ajraur Teh. Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

- (2) S/Shri Dewinder Singh, Rajinder Singh, Mnjit Singh s/o Jagjit Singh s/o Atma Singh, Harjit Singh, Ranjit Singh, Balwinder Singh s/o Didar Singh s/o Atma Singh
R/o Ajraur Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 4 biswas situated in Village Ajraur Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3004 of January 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. DS/53/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 91 kanal 16 marlas situated at Mashigaon Sub. Teh. Dudhan Sudhan (Patiala) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—276GI/79

- (1) S. Maya Singh s/o Gurdit Singh,
Smt. Parmashwari Kaur wd/o Late S. Hira Singh,
Virinder Singh, Narinder Singh, Kulbir Singh and
Gurdip Singh s/o late Hira Singh
R/o Malland Colony, Bombay.

(Transferors)

- (2) S. Gurbachan Singh s/o S. Manohar Singh,
Harbhan Singh s/o Ram Singh,
Purana Gadda Khana, Patiala.

(Transferees)

- (4) Firm Rulda Ram Nanak Chand (Mortgagee)
Village Mashigaon, Sub. Teh. Dudhan Sudhan,
Distt. Patiala.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 91 kanals 16 marlas situated in Village Mashigaon, Sub-Teh. Dudhan Sudhan Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 696 of January 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan Distt. Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/210/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 5 kanals 5 marlas

situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Harider Singh Grewal,
R/o Bibrian Road, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Raghu Nath s/o Shri Piara Lal and
Shri Mukhtiar Singh S/o Shri Waryam Singh,
R/o 22-Hargobind Nagar, Sirhind Road,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5024 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/216/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number As per Schedule Land measuring 3 kanals 1 marla situated at Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh,
Bibrian Road, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh s/o Shri Manjit Singh of Sunam,
C/o Shri Ranjit Singh s/o Hardev Singh,
Bibrian Street, Lahori Gate,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 1 marla situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5135 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. DS/56/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land measuring 25 kanals 14 marlas—1/3rd share situated at V. Mashigaon, Sub-Teh Dudhan Sudhan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Bhagwan Singh s/o Sant Singh
R/o Itamuman Bazar, Jammu through
S. Manohar Singh s/o Ram Singh,
G.A. 1012/3, Khalsa Mohalla Patiala. (Transferor)

(2) S. Prem Singh s/o Tulsa Singh,
R/o Atama Nagar, Ludhiana. (Transferee)

(3) M/s. Rulda Ram Nanak Chand,
V. Mashigaon, Sub-Teh. Dudhan Sudhan,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 kanals 14 marlas 1/3rd share—situated in Mashigaon S. Teh. Dudhan Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 742 of January, 1979 of the Registered Authority, Dudhan Sudhan Distt. Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. CHD/261/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Show Room Plot No. 25, Sector 26, Madhya Marge, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hazara Singh Inder Singh, 94-Grain Market, Chandigarh, through its partners,
 1. Shri Krishan Kumar s/o Shri Inder Singh,
 2. Shri Niranjana Singh s/o Shri Inder Singh,
 3. Shri Purshotam Singh s/o Shri Inder Singh, Through Attorney Shri Krishan Kumar and
 4. Shri Chiranjit Lal s/o Shri Inder Singh.
 (Transferor)
 - (2) 1. Mrs. Usha Kapoor w/o Dr. Viney Kapoor,
 2. Mrs. Aruna Kapoor w/o Lt. Cdr. A. K. Kapoor,
 3. Mrs. Aruna Kapoor w/o Sh. Vinod Kumar Kapoor,
 4. Mrs. Anu Kapoor w/o Sh. Anil Kapoor,
 5. Mrs. Shashi Kapoor w/o Shri Rajiv Kapoor,
 6. Sh. Vinod Kapoor s/o Shri Siri Ram Kapoor, All R/o 528, Sector 10-D, Chandigarh.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Show Room Plot No. 25, Sector 26, Madhya Marg, Chandigarh measuring 762.96 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 797 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 11th Sep 1979

Seal .

FORM ITNE**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA,
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. LDH/U/78-79/181.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-I-1053, situated on Sant Road, Near Old Dayanand Hospital, Ludhiana situated at Sant Road, Near Old Dayanand Hospital, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Tarawanti wd/o Shri Kali Chand Saggar,
B-I-1053, Sant Road, Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Chohda s/o Sh. Sat Dev Chohda
B-I-1053, Sant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house No. B-I-1053, Sant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 3912 of January, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13th Sep 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. DS/57/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 43 bighas & 13 biswas situated at V. Narangwala, Sub-Teh. Dudhan Sudhan, Distt. Patiala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudhan-Sudhan in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Mohinder Singh adopted son of Sh. Dalip Singh r/o Narangwala, Sub-Teh. Dudhan Sudhan, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Sher Singh, Avtar Singh, Sucha Singh and Gurmeet Singh sons of Sh. Jagir Singh, r/o V. Narangwala Distt. Ambala, now at V. Narangwala, Sub-Teh. Dhudhan Sudhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 43 bighas 13 biswas situated at village Narangwala Sub-Teh. Dudhan Sudhan, Distt. Patiala.

(The immovable property as fully described in Registration Deed No. 749 of January, 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. RAJ/23/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 48 bighas 15 biswas (Khasra No. 197/326 to 331) at Pawala Teh. Rajpura, Distt. Patiala, situated at Village Pawala, Teh. Rajpura, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in Jan. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Inderjit Kaur w/o Sh. Sawan Singh r/o Kotla Suleman, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Amar Kaur w/o Shri Ishar Singh, and S/Shri Kartar Singh, Sant Singh, Balwant Singh Ranjit Singh & Mangal Singh sons of Sh. Rampat Rai r/o Village Pawala, Teh. Rajpura.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 48 bighas 15 biswas (khasra No. 197/326 to 331) situated at Village Pawala, Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the Registration deed No. 3108 of Jan. 79 of the Registering Authority, Rajpura)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. PTA/221/78-79.—Whereas, I,

R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share in land measuring 34 kanals 8 marlas with 1/2 share in building constructed thereon.

situated at V. Ghalohri Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—276G179

(1) Manju Bala d/o Asha Rani wd/o Sh. Dev Bharat
r/o Sanauri Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Dr. Napinder Singh Chahal s/o Kaka Singh
r/o Sanori Gate, Adda Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in land measuring 34 kanals 8 marlas and 1/2 share in building constructed thereon, situated at Vil. Galhori Teh & Distt. Patiala

(The property as mentioned in the Registered Decd No. 5238 of Jan. 1979 of the Registering authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. AML/102/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No.

Plot of land measuring 45443 sq. fts. at Mandi Gobindgarh, situated at Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Krishan Chander Gulati s/o Sh. Babu Ralla Ram Ward No. 3, Mandi Gobindgarh.
(Transferor)
- (2) M/s Sulekh Ram Banarsi Dass Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh (through Shri Amarjit Singh, Partner) c/o the firm.
(Transferee)
- (3) M/s. Sulekh Ram Banarsi Dass Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 45443 sq. fts. situated at Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registration deed No. 1599 of Jan. 1979 of the Registering authority, Amloh.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. CHD/266/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 2231, Sector 22-C, Chandigarh situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gian Singh r/o House No. 2231, Sector 22-C Chandigarh. (Transferor)
(2) Sh. Ajmer Singh r/o H. No. 2231, Sector 22-C Chandigarh. (Transferee)
(3) (1) Sh. Bijan Lal (Ground Floor)
(2) Sat Pal Gupta (First floor)
(3) Sh. Harmesh Sharma (Second floor)
(4) Sh. Gian Singh all r/o H. No. 2231 Sector 22-C, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house No. 2231, Sector 22-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 818 of January, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Krishan Kumar s/o Sh. Murari Lal,
Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) (1) Sh. Ashok Kumar Sethi s/o Sh. Amrit Lal,
and

(2) Smt. Raj Rani w/o Sh. Ashok Kumar
r/o 2145/2 and 2146/2, Sirhindi Bazar, Patiala.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE
LUDHIANA**

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. PTA/217/78-79.—Whereas, I,
R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act', have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

4 storied shop cum house No. 2145/2 & 2146/2 situated on
Main Sirhindi Bazar, Patiala,
situated at Sirhindi Bazar, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop cum house No. 2145/2 & 2146/2 situated on Main
Sirhindi Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No.
5136 of January, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. CHD/267/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 bighas 3 biswas situated in V. Badheri U. T. Chandigarh, situated at V. Badheri, U. T. Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Ripudaman Singh s/o Sh. Khem Singh Grewal, of Bombay, through general attorney Sh. J. S. Dhillon 659/16, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Ujagar Singh, V. Badheri, U.T. Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas 3 biswas in Village Badheri, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 822 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. PTA/209/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, measuring 400 sq. yds, situated on Main Jagdish Ashram Road, Patiala situated at Main Jagdish Ashram Road, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Bharatinder Singh s/o Sh. Palwinder Singh r/o of Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Santokh Kaur w/o Sh. Gurdial Singh through Sh. Maghu Singh, Kartar Singh Street, Mukatsar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 400 sq. yds. situated at Main Jagdish Ashram Road, Patiala
(The property as mentioned in the Registered deed No. 5006 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-9-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING,
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. CHD/272/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 2½ storey house No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hardeep Singh s/o Late S. Harnam Singh
r/o H. No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Smt. Harsh Khanna w/o Sh. Kewal Kumar Khanna,
r/o House No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

- * (3) 1. Dr. D. K. Rai (Homeopath)
2. Sh. Surjeet Singh Bajwa, and
r/o H. No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh
[Person in occupation of the property]

- * (4) The Director,
Social and Welfare Department
Haryana, Chandigarh.
[Person whom the undersigned
knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered deed No. 867 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. LDH/174/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-VI-1082 (Old) Bew No. B-IX-S-495, Old Samrala Road, Ludhiana, situated at Old Samrala Road, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harvinder Singh s/o Sh. Sujjan Singh Sahni
r/o R-276, Greater Kailash-I, New Delhi-48
(Transferor)
- (2) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Jeet Singh through
M/s Sardar Namkeen & Sweet Shop, B-IV-508,
Meena Bazar, Ludhiana.
(Transferee)
- * (3) M/s Winter Woolie Hosiery Mills,
Old Samrala Road, Ludhiana.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in H. No. B-IX-495, Opposite Ahata Jang, Purana Samrala Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3791 of Jan. 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. LDH/204/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-VI-1082 (old) Now No. B-IX-S-495 situated at Old Samrala Road, Ludhiana, situated at Samrala Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—276G1/79

(1) S. Jaswinder Singh Sahni s/o Sh. Sujan Singh Sahni
B-II-1321, Sujan Singh Street, Benjman Road,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Jit Singh s/o Sh. Lal Singh c/o
M/s Jit Singh Charan Singh, Halwai.
Shop No. 304, Chauri Sarak, Ludhiana.

(Transferee)

* (3) M/s Winter Woolie Hosiery Mills,
Old Samrala Road, Ludhiana
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share in property No. B-IX-495, Old Samrala Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4056 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 13-9-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th September 1979

Ref. No. MKL/24/78-79.—Whereas, I,
R. K. MALHOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Agricultural land measuring 15 kanals 11½ marlas
situated at Malerkotla
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908), in the office of the Registering Officer at
Malerkotla in January 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Md. Imran, md/ Mushtag, Amran Ali ss/o Umar
Din
r/o Ahmedgarh (Malerkotla). (Transferor)
- (2) Shri Sukhdev Singh Garcha s/o Sh. Kehar Singh,
BXX/658, Gurdew Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 11½ marlas at Male-
kotla.

(The property as mentioned in the Registered deed No.
103 of January, 1979 of Sub-Registrar, Malerkotla).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-9-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1979

Ref. No. MKL/23/78-79.—Whereas, I,
R. K. MALHOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Agril land measuring 15 kanals 11½ marlas
situated at Malerkotla
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Malerkotla in January, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Md. Imran, Md. Mushtaq & Md. Amran Ali; sons
of Shri Umer Din r/o Ahmedgarh (Malerkotla)
(Transferors)

(2) Shri Jagdish Singh Garcha s/o
Shri Kehar Singh, B-XX-658,
Gurdev Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 11½ marlas at
Malerkotla.

(Property as mentioned in Registration No. 102 of Jan.
1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date : 15-9-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th July 1979

C.R. No. 62/22677/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25 situated at II Cross Malleswaram Bangalore-560003, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore Doc. No. 3263/78-79 on 3-1-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. T. Shivaramaiah s/o Sri Suryanarayanaiah, No. 25, II Cross Malleswaram Bangalore-560003.
(Transferors)

(2) Sri Mustafa Khan s/o Mahaboob Khan, No. 397, Orgampet K.G.F.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 3263/78-79, dated 3-1-1979]

House property being No. 25, II Cross Malleswaram, Bangalore-560003, bounded by :—

East : Sri Rangachari's house.

West : Municipal road.

North : Sri K. M. Channabasaiah's house.

South : II Cross road.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th July 1979

C.R. 62/23295/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,
P. RANGANATHAN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1039/14, situated at 1 Main Road, IV Block, Rajajinagar,
Bangalore,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at Rajajinagar Bangalore Doc. No. 4331/78-79 on 2-1-1979
for an apparent Consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and /
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) (1) Shri M. V. Thippaswamy, S/o Late Sri M. Viswanathaiah,
- (2) Smt. M. Parvathamma W/o Late Sri M. Viswanathaiah,
- (3) Kum. M. V. Shashikala Rep. by Sri M. V. Thippaswamy,
Prop. Thippaswamy Transports, V. P. Extn
Chitradurga.

(Transferor)

- (2) Shri S. G. Srinivasan, Advocate,
No. 1039/14, 1st Main Road,
IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4331/78-79, dated 2-1-1979]
House property bearing No. 1039/14, I Main Road, IV
Block, Rajajinagar, Bangalore-560001.
North : Site No. 1038.
South : Property of Sri Kondajji Rasappa.
East : 80 feet I Main Road.
West : Conservancy Lane.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-7-1979
Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Laxmi Devi w/o Sri C. M. M. Sharma, No. 13/13, Pampa Mahakavi road, Shankarapuram, Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

- (2) (1) Shri Yusufullakhan,
(2) Shri Samiulla Khan,
(3) Obedulla Khan,
(4) Ziaulla Khan,
(5) Shafiulla Khan

All sons of Sri Kareem Khan.
All residing at old No. 7, New No. 10, T. Ramaswamy layout H. Siddaiah road, Bangalore-27.

(Transferee)

Bangalore-560001, the 2nd August 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

C.R. No. 62/22898/79 80/Acq./B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. old No. 7, New No. 10, situated at T. Ramaswamy, layout, III cross, H Siddaiah road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3464/78-79 on 27-1-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 3464/78-79 dated 27-1-1979]
Old No. 7, New No. 10, T. Ramaswamy layout, III Cross, H. Siddaiah road, Bangalore.

Boundries :

North : Sri S. E. Venugopal's property.
South : Sri Kumar and Muthu's property.
East : III Cross and
West : Sri Syed Habib, Sajjan and Mohammed Usman's property.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. RANGANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st July 1979

C.R. No. 62/22990/79-80/Acq/B.—Whereas, J. P. RANGANATHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 149, situated at 11th Main 32nd Cross, IV Block, Jayanagar, East, Bangalore-560011, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 3075/78-79 on 19-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Vellaian, s/o Sri Manickam Chettiar, No. 18/2/215m Ashoknagar, Tirupati Town, Chittoor Distt. (A.P.).
(Transferor)
- (2) Shri K. T. Desiappan, s/o Sri K. T. Thirumalaiswamy Chettiar, Flat No. 6, First Floor, "NINE ACES", Co-operative Housing Society, 18th Main Road, Khar, Bombay-400 052.
(Transferee)
- (3) (1) Hamcedul Haq, }
(2) K. V. Paulrose, } 1 Floor
(3) Chrankar Prabhu, }
(4) Shri Krishnaji Rao, }
(5) Shri Vasudeva Rao, } Ground Floor
(6) Shri Kashi P. }
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3075/78-79 dated 19-1-1979]

A portion of the premises No. 149, 11th Main, 32nd Cross, IV Block, Jayanagar, Bangalore-560011.

Boundries :

East : Private Property.
West : 11th Main Road.
North : Cross Road and
South : Private property.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated 31-7-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. S. P. Puri No. 14, Palace road, Bangalore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Fr. A. C. Koshy agent for (His Holiness Moran Mar Baselins Mar Thoma Mathews/The Catholic of the East and Malambace, Metropolitan) vicar, St. Gregorious Orthodox Syrian Church, Hosur road, Bangalore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001, the 17th August 1979

C.R. No. 62/22854/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. vacant building site No. 51, situated at Madras sapper officers House Building Co-operative Society Ltd., Doddigunta, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore Doc. No. 2945/78-79 on 19-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

{Registered Document No. 2945/78-79, dated 19-1-1979}

Vacant building site No. 51, Madras sapper Officers House Building Co-operative Society Ltd, Doddigunta, Bangalore.
Boundaries :

E : Site No 12
N : Site No 50
W : Road and
S : Road

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 17th August 1979

C.R. No. 62/22972/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant site No. 274, situated at Binnamangla Defence colony, HAL Road, II Stage, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2835/78-79 on 10-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—276GI/79

(1) Brigadier K. Kesave Nayak (Retd)
S/o Late K. R. Nayak, No. 190, V Cross,
Vasanth Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Sri V. R. Shivaprasad,
S/o Mr. Ramaiah, Room No. 56
B.M.C. Gents Hostel, Palace Rd,
Bangalore.

2. V. R. Muralidhar, S/o
Mr. Ramaiah, Room No. 27,
B.V.B. Engineering College,
Vidyannagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2835/78-79 dated 10-1-1979]

Vacant site No. 274, Binnamangla, Defence Colony, HAL Road, II Stage, Bangalore.

Boundaries:

East : 100' Road
West : Site No. 262
North : Plot No. 275 and
South : Plot No. 273 and 272.

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 17-8-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th August 1979

C.R. No. 62/22987/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building premises bearing old No. 2, New No. 23, constructed on Northern half portion of plot No. 17, situated at Kengal Hanumanthaiah Road, (Division No. 26), Shantinagar, Bangalore-27, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 3228/78-79 on 31-1-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. B. G. Krishnan, S/o Late B. V. Garudachar,
2. B. K. Rama Prakash
3. Dr. B. K. Aruna Kumar
4. B. K. Udayakumar
Nos. 2 and 3 being represented by father and power of attorney holder Shri B. G. Krishnan Residing at Chikka Audugodi, Bangalore.
(Transferor)
- (2) Sri D. H. Sivarudraiah,
S/o. Late D. Hutchaveerappa,
No. 23, Kengal Hanumanthaiah Road,
Shantinagar, Bangalore-27.
(Transferee)
- (3) M/s. Bharati Medical Stores,
M/s. Arrow Systems.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3228/78-79 dated 31-1-1979)

Building premises bearing old No. 2, New No. 23, constructed on Northern half portion of plot No. 17, Kengal Hanumanthaiah Road, (Division No. 62), Shantinagar, Bangalore-27.

Boundries :—

East : The house of late Rangaswamy Sastry
West : Kengal Hanumanthaiah Road,
North : The house of late Shri Hanumanthaiah bearing No. 22 &
South : House No. 24, of the Vendors sold to a third party.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 17-8-1979
Seal ;

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 18th August 1979

C.R. No. 62/22922/79-80/Acq/B.—Whereas, I.
P. RANGANATHAN,
being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 4-5-11 & 4-5-12 situated at Ambalapady Ward, Mudanidambur village, Udupi Taluk, S. K.
(and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udupi, Document No. 898/78-79 on 3-1-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri A. Ram Mohan Rao, Chairman & Director, The Shankar Vittal Motor Co. Ltd., Ajantha Falmir, Mangalore.
2. Krishnamorthy Rao Aroor, Managing Director, The Shanka Vittal Motor Co., Ltd., "Gayathri" Falmir Mangalore.
3. A. Sripathi Rao, General Manager, Arvind Motors, "Alankar" Falmir, Mangalore.
4. A. Ramesh Rao, Managing Director, The Shankar Transport Co., (Pr.) Ltd., Koppa Town.
(Transferor)
- (2) Sri K. Satishchandra Hegde, S/o S. Hiriyanna Hegde "Alankar" Ajjarkad, Udupi Town.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2.
[Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 898/78-79 dated 31-1-79)
House property situated in Ambalapady ward of the Udupi Municipality in Mudnidambur village of Udupi Taluk, S. K. in all 68 cents land R.C.C. Building "Alankar" bearing No. 4-5-11 and out house tiled building No. 4-5-12.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Dated : 18-8-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Akhtar Laqa Begum Alias Suriya Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Swaleh Ali Khan and Husain Ali Khan Alias
Salman Mian.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th August 1979

Ref. No. 5-178/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 573 and 569 situated at Village Vamanpuri Tehsil Sadar Rampur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 569 and 573 measuring 24 Bigha situate at Village Vamanpuri Tehsil Sadar Rampur and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G no. 134 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar Rampur on 18-1-1979.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 7th August 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE,
57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1979

Ref. No. N-28/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land 6.75 Biswa situated at Village Bastauli, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 2-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Shri Suresh Chandra Srivastava
(Transferor)
(2) Shri Nand Kishore and Chandra Kalani.
(Transferee)
(3) Seller
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 Biswa 15 Biswansi situate at Village Bastauli, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 503 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar Lucknow on 2-1-1979.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 6-8-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 18th August 1979

Ref. No. Acq.23-I-2440(839)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 19-A situated at Kalanala, Opp : Dadasaheb Mandir, Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rameshchandra Tribhovandas Trivedi,
Kalanala,
Opp : Dada Saheb Mandir,
Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) Shri Gunvantray J. Trivedi, as a Power of Attorney Holder of Shri Mukesh Gunvantray Trivedi, Karta of H.U.F. of Mukesh Gunvantray, Kalanala, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing Plot No. 19/A standing on land 774-10 sq. mtr. situated at Kala-nala, Opp : Dadasaheb's Mandir, Bhavnagar, duly registered by Registering Officer, Bhavnagar, vide sale-deed No. 137-24-1-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 18-8-79.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009.**

Ahmedabad the 7th September 1979

Ref. No. 719 Acq. 23-1381/6-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 9, situated at Impala House, Vishwas Colony, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rambhai Bhailalbhai; Flat No. 9, Impala House, Vishwas Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Rashmilal Ambalal; Flat No. 9, Impala House, Vishwas Colony, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Flat No. 9, situated at Impala House, Vishwas Colony, Baroda duly registered at No. 88 on 18-1-1979 by the registering authority at Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 7-9-1979,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th September 1979

Ref. No. P.R. No. 723 Acq.23-1382/6-1/79-80.—Whereas,
I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 40

situated at Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mrudulaben Bhikhabhai Patel;
6, Krishna Housing Society, Sanand, Dist. Kaira.
(Transferor)
- (2) Shri Harendra Shantilal Patel & others, Wadi, Rang Mahal, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 40, Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda admeasuring 5143/6 sq. ft. duly registered with registering authority at Baroda on 17-1-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 7th September 1979

Ref. No. P.R. No. 724 Acq.23-1340/7-5/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 751 & 752 situated at Umbergaon, Dist. Valsad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 5-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—276(II)/79

(1) Mr. Badruddin H. Masalawala; Masalavala Nivas, Zuhu Lane, Andheri, West Bombay-58.

(Transferor)

(2) Mr. Champaklal P. Zaveri;
C1/2 Eden Hall, Dr. A. B. Road,
Opp. Lotus Cinema, Worli,
Bombay-400018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 3924 sq. yds. situated at Umbergaon, Dist. Valsad bearing C.S. No. 751-A, 752 duly registered with registering authority, Pardi on 51-1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 7th September 1979

Ref. No. R No. 725.Acq. 23-1340/7-5/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 754 Umbergain, Dist. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 5th January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Badruddin H. Masalawala; Masalavala Nivas, Zuhu Lane, Andheri, West Bombay-58.

(Transferor)

(2) Mr. Champaklal P. Zaveri; C-1/2, Eden Hall, Dr. A. B. Road, Opp. Lotus Cinema, Worli, Bombay-400 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing open city Sur. No. 754 situated at Umbergaon, Dist. Valsad, duly registered with registering authority at Pardi on 5-1-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 7-9-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th September 1979

No. Acq.23-I-2060(847)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land adm. 3788-3 sq. yd. at the bank of river, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhayya Biharilal Devkalidin & Others,
Outside Talav Darwaja,
Junagadh.

(Transferor)

- (2) Shri Nathji Commercial Corporation through:
partner Shri Mohanlal L. Patel, 4, Jaishrinagar,
Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 4788-3 sq. yd. situated at the bank of river, Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Junagadh, vide sale-deed No. 28/8-1-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 7-9-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th September 1979

No. Acq. 23-I-2026(848)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri. land adm. 4640-01 sq. yds. situated at the bank of river, Junagadh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Junagadh on 8-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Bhaiyya Biharlal Devkalidin, outside Talav Darwaja, Junagadh.
(Transferor)
- (1) Shri Nathji Commercial Corporation, through :
partner Shri Mohanlal P. Patel,
4, Jaishrinagar, Junagadh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 4640-01 sq. yds. situated at the bank of river, Junagadh, duly registered by S. R. Junagadh, vide sale-deed No. 29/8-1-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 7-9-1979
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th September 1979

Ref. No. P.R. No. 727/Acq.23-II/6-1-/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Open land situated at Karelibag, "Nivrutti Colony", opp :
Training College, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Baroda on 18-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Chandubhai Rambhai Patel,
Alkapuri, "Rachana", Sampatrao Colony,
Baroda.

(Transferor)

(1) Shab Chaturbhuj Hiralal,
2. Ramaben Chaturbhuj Mehta Pole, Patvani
Khadki, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land situated at Karelibag, Nivrutti Colony, Opp :
Training College, Baroda, adm. 3465 sq. ft. duly registered
in the month of January, 1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 13-9-1979.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th September 1979

Ref No. P.R. No. 728/Acq.23-II/19-2/79-80.—hereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 381 situated at Village: Vav, Tal. Kamrej (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kamrej on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vasantrai Dahyabhai Patel,
Village : Vav,
Tal. Kamrej.

(Transfers)

(2) 1. Shri Singarasing Masasing,
2. Shri Amarsing Mangalsing Baroda Rayon, Anajwala Bldg., Udhna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring A-16, G-39, situated at village Vav, Tal. Kamrej, duly registered in the month of January, 1979 with registering authority at Kamrej.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date : 13-9-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Navnitbhai Vijubhai Modi 355, Linking Road,
Khar, Bombay.
at Pardi on 16-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramabhai Dulabhbbhai Patel,
3/585 Moti Sheri, Golemandi Surat
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 738 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas, I,
S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Bungalow No. 72 in Shantiniketan Society situated at Vasta
devdi Road, Lal Darwaja, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Surat on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever period
expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Shantiniketan Society, No. 422 Vastadevoli Road Lal
Darwaja Surat registered on 8-1-79 with Surat Sub Registrar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 15-9-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRMA ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 18th September 1979

Ref. No. 755/Acq. 23-II-1346/20-1/79-80.—Whereas, I,
S. S. PARIKH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.House No. 36, Plot No. 17, situated at Devka, Taluka :
Daman,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Daman on 31-1-1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Mr. Premy Hormaji Madraswala Nearoze Man-
sion, Tardoo Road, Bombay-400 007.

(Transferor)

(2) Smt. Piroja Sohrabji Irani, Lalbaug Nirmal Deep
Dr. Moos Road, Thana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective person,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Devka-Daman duly regis-
tered on 31-1-1979 with registering authority at Daman-
House No. 36, Plot No. 17.

S. S. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 18-9-1979,

Seal

FORM ITNS

1() Chanchal Kumar Kaliprassan Mukarji,
Villa Pardi, Distt. Bulsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Mayaben Dulsukhbhai Patel,
Nutan Nagar Housing Colony,
Pardi, Distt. Bulsar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRMA ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 18th September 1979

Ref. No. P.R. No. 756—Acq 23-II/7-5/79-80.—WWhereas,
I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 19, Nutan Nagar Society, Pardi, situated at Killa
Pardi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Pardi on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land and Building situated at Nutan Nagar Housing
Colony, Pardi registered on 18-1-1979 with registering
authority at Pardi.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 18-9-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Wing Comd, Jaimal Singh (Retd.)
C-279, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vibhu Shankar,
C-294, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Jan 1/929(20)/78-79.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. C-279 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-279 measuring 325 sq. yd. situated in Defence Colony, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 8-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/ New Delhi

Date : 12-9-1979
Seal :